RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 223 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 02 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

भारत पर जो वार करेगा, पाताल में भी नहीं बचेगा : प्रधानमंत्री

वाराणसी को 22 हजार करोड़ की 52 योजनाओं की दी सौगात

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर करीब 2,183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त भी जारी की। बताया जा रहा है कि रक्षाबंधन से पहले सावन के महीने में उनका ये दौरा पूर्वांचल के विकास को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर किसानों के विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र किया साथ ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर बरसे। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर कहा कि यह नया भारत है। भारत पर जो वार करेगा पाताल में नहीं बचेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 51वीं बार अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। उनका स्वागत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 22 हजार करोड़ की योजानाओं की सौगात दी साथ ही किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त भी जारी की। इस मौके पर पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज मैं ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार काशी आया हूं. जब 22 अप्रैल पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। (शेष पृष्ठ-4 पर)

इन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन

- वाराणसी-भदोही सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण (269.10 करोड़)
- मोहनसराय-अडलपुरा मार्ग पर ROB का निर्माण (42.22 करोड़)
- PAC रामनगर में बहुउद्देशीय सभागार (2.54 करोड़)
- CSR के तहत 8 मिट्टी घाटों का पुनर्विकास (22 करोड़)
- कालिका धाम मंदिर पर्यटन विकास (2.56 करोड़)
- लालपुर स्टेडियम में हॉकी मैदान का पुनर्निर्माण (4.88 करोड़)
- तिलमापुर में रंगीला दास कुटिया के पास घाट का निर्माण (1.77 करोड़)
- पशु जन्म नियंत्रण और डॉग केयर सेंटर (1.85 करोड़)
- 53 विद्यालय भवनों की मरम्मत (7.89 करोड़)
- कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक उपकरणों की स्थापना (73.30 करोड़)
- जल जीवन मिशन के तहत 47 पेयजल योजनाएं (129.97 करोड़)
- दुर्गाकुंड का जीर्णोद्धार (3.40 करोड़)

'पीएम मोदी ने कहा कि देश के किसानों के खाते में पौने चार लाख करोड़, यूपी के ढाई करोड़ किसानों को 90 हजार करोड़ और बनारस के किसानों के खाते में 900 करोड़ रुपए पीएम श्री किसान सम्मान राशि डाली गई। '

ऑटो की टक्कर से गार्ड की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र की काशीराम सोसाइटी के पास ऑटो चालक ने सिक्योरिटी गार्ड को टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए सिक्योरिटी गार्ड ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

काशीराम सोसाइटी में रहने वाले मनोज राम सिक्योरिटी गार्ड का काम करते थे। 23 जुलाई को है अपनी ड्यूटी के लिए घर से निकले थे। सोसायटी से बाहर निकलते ही तेज गति में आ रहे ऑटो चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मनोज राम गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें काशीराम हॉस्पिटल में भर्ती कराया उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। बीती शाम उपचार के दौरान मनोज राम की मौत हो गई। इस संबंध में उनकी पुत्रवधू बबीता देवी ने ऑटो चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चला कर दुर्घटना करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस पीड़िता द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑटो नंबर के आधार पर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

कोर्ट में पत्नी से की सुलह, घर लाकर फिर की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। न्यायालय में चल रहे दहेज उत्पीड़न के मामले में समझौता कर पति अपनी पत्नी को वापस घर ले आया। न्यायालय से मुकदमा खत्म होने के बाद पति व ससुराल वालों ने फिर महिला का उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। महिला ने अपने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है।

जनपद बरेली के रहने वाली कोमल (काल्पनिक नाम) ने थाना बिसरख में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके पति विक्की कुमार ने उसका उत्पीड़न कर उसे छोड़ दिया थ। इस मामले में उसके द्वारा जनपद बरेली में पति व ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। 7 जुलाई को उसका पति विक्की कुमार वह ससुराल वाले मुकदमा में सुलह समझौता कर उसे अपने साथ ससुराल ले आए। कोमल के मुताबिक जब वह अपनी ससुराल पहुंची तो उसके पति व ससुरालवालों का रवैया बदला हुआ था। इन लोगों ने उसे फिर उत्पीड़न शुरू कर दिया। विक्की कुमार ने उससे कहा कि वह केवल मुकदमा खत्म करने के लिए उसे अपने साथ लेकर आए हैं उसने जब इस बात का विरोध किया तो उसके पति और ससुराल वालों ने उसके साथ गाली-गलौज की। इस दौरान आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से उसका गला दबा दिया। किसी तरह जान बचाकर वह अपने मायके बरेली आ गई। पीड़िता के मुताबिक उसके पति व ससुराल वालों ने उसके सोने-चांदी के जेवरात व कपड़े भी अपने पास ही रख लिए। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर उसके पति विक्की कुमार, सास नत्थू देवी, ससुर राजा राम, ननद बबली व बबीता के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

दो बदमाश पकड़े, चोरी की 6 बाइक बरामद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अलग-अलग स्थान से चोरी की गई 6 बाइक व चाकू बरामद हुए हैं। पकड़े गए वाहन चोरों ने चोरी के दर्जनों घटनाओं का अंजाम देना स्वीकार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम कठेड़ा मोड पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। बाइक पर आ रहे दो युवको ने पुलिस को देखकर (शेष पृष्ठ-4 पर)

आँधी में गिरी दीवार को लेकर झगड़ा, पड़ोसियों ने पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर में एक व्यक्ति ने अपने तीन पड़ोसियों के खिलाफ गाली-गलौज व मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि आंधी में गिरी उसकी दीवार का निर्माण कार्य आरोपी करने नहीं दे रहे हैं।

ग्राम औरंगपुर निवासी कृष्ण ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि पूर्व में उसके पिता अपनी आबादी में प्लॉट पर मकान बनाकर रह रहे थे। 25 वर्ष पूर्व उसके पिता की मृत्यु होने के पश्चात वह और उस के परिजन मकान में रह रहे है। बीते दिनों आई आंधी व बारिश के दौरान मकान के चारों तरफ की बाउंड्री वॉल गिर गई। उसने जब बाउंड्री वाल की मरम्मत कराने के लिए मजदूर एवं मिस्त्री को बुलाया तो पड़ोस में रहने वाले करण, करतार सिंह व जगबीर सिंह ने उसे बाउंड्री वॉल नहीं करने दी। तीनों आरोपियों ने हेकड़ी (शेष पृष्ठ-4 पर)

दो भाईयों ने जमीन बेचने के नाम पर किया फर्जीवाड़ा

हापुड़ में जमीन का सौदा कर हड़पे एक करोड़ रुपये

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा ग्रेटर नोएडा में लगातार बढ़ रही जमीन की कीमतों की वजह से फर्जीवाड़े के मामले बढ़ रहे हैं। आए दिन थानों में जमीन संबंधी फर्जीवाड़ों के मामले दर्ज हो रहे हैं ऐसा ही एक मामला थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र में सामने आया है यहां दो सगे भाइयों ने जमीन बेचने के नाम पर अपने दोस्त को ही एक करोड रुपए का चूना लगा दिया।

सेक्टर ईकोटेक-3 में रहने वाले महेश अग्रवाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी कवि नगर गाजियाबाद निवासी सुनील अरोड़ा व अमित अरोड़ा पुत्र सतीश अरोड़ा से मित्रता थी। कुछ समय पूर्व दोनों भाइयों ने उससे कहा कि उनकी ग्राम रावली जनपद हापुड़ में एक जमीन है जिसे वह बेचना चाहते हैं। दोस्तों के प्रस्ताव पर वह जमीन खरीदने के लिए तैयार हो गया दोनों के बीच उक्त जमीन का सौदा 2 करोड़ 25 लाख रुपए में तय हुआ। महेश अग्रवाल के मुताबिक उसने दोनों भाइयों को एक करोड रुपए आरटीजीएस के माध्यम से दिए। बाकी धनराशि बैनामे के समय देनी तय हुई। कुछ समय बाद उसने बैनामा कराने के लिए कहा तो दोनों भाई उसे कोई ना कोई बहाना बनाकर टालते रहे। कई बार कहने के बावजूद भी जब इन लोगों ने जमीन का बैनामा नहीं किया। महेश अग्रवाल के मुताबिक 15 मार्च की दोपहर को सुनील अरोड़ा व अमित अरोड़ा उसके सेक्टर ईकोटेक 3 स्थित ऑफिस पर आए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

अस्पताल के लिए निर्माण सामग्री न भेजने का आरोप, 35 लाख हड़पे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 में एक अस्पताल के निदेशक ने बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। निदेशक का आरोप है कि बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई के लिए आरोपी ने उनसे 35 लाख रुपए एडवांस ले लिए और मटेरियल भी नहीं दिया।

नोएडा के सेक्टर-15ए में रहने वाले डॉक्टर आदित्य अरोड़ा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह कस्तूरा मेडिकोज लिमिटेड के निदेशक हैं और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने हाल ही में गाजियाबाद स्थित एवी हॉस्पिटल का अधिग्रहण किया। वह इस अस्पताल का नवीनीकरण कराना चाह रहे थे। इसके लिए बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री की आवश्यकता थी। उनके सहयोगी दीपक और उत्सव ने उन्हें मैसर्स शुभम सीमेंट एजेंसी सूरजपुर ग्रेटर नोएडा के बारे में बताया और सप्लायर चंद्र बोस का मोबाइल नंबर दिया। दीपक व उत्सव ने उनकी तरफ से चंद्र बोस से संपर्क किया और अस्पताल के नवीनीकरण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का विवरण दिया। चंद्र बोस ने कहा कि निर्माण सामग्री के सौ प्रतिशत अग्रिम भुगतान पर ही वह 7 से 10 दिनों के बीच सामग्री की आपूर्ति कर पाएगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गौतमबुद्धनगर में 20 हजार उद्योगों का हो रहा सर्वे

तीनों प्राधिकरणों तथा शासन को भेजा जाएगा सर्वे का डाटा

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन करने का लक्ष्य हासिल करने लिए गौतमबुद्धनगर (नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे प्राधिकरण) तीनों में करीब 20 हजार इंडस्ट्री का सर्वे कराया जा रहा है। ये सर्वे शासन की तरफ से चयनित एजेंसी रामटेक साफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड और निवेश मित्र के प्रतिनिधि संयुक्त रुप से कर रहे है। इसका एक डेटा तैयार किया जाएगा। ये डेटा तीनों प्राधिकरण और शासन को भेजा जाएगा। जिससे इंडस्ट्री की वास्तविक स्थिति का पता चलेगा।

इस सर्वे के दौरान प्रतिनिध फैक्ट्री पहुंचकर वहां की लाइव पिक्चर लेंगे, एक प्रोफार्मा भरना होगा। जिसमें आवंटी का नाम, मोबाइल नंबर, इमेल, जीएसटी नंबर, एमएसएमई सर्टिफिकेट नंबर, सीआईएन नंबर देना होगा। लाइव लोकेशन कंपनी कर्मी के साथ सेल्फी को भी प्रोफार्मा में अटैच करना होगा। कंपनियों का सर्वे शुरू किया जा चुका है। ये काम एक महीने में पूरा कर लिया जाएगा। जिससे एक डेटा बेस तैयार होगा, साथ ही ये जानकारी मिल सकेगी कि कितनी इंडस्ट्री फैक्ट्री एक्ट में रजिस्ट्रर्ड है।

दरअसल, जीडीपी में सिर्फ वहीं इंडस्ट्री काउंट होती है। जिनका रजिस्ट्रेशन फैक्ट्री एक्ट के तहत होता है। वर्तमान में नोएडा में 3831 इंडस्ट्री फैक्ट्री एक्ट के तहत रजिस्टर्ड है। इसमें 20 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे है। जिसमें 20 से कम कर्मी है उनका रजिस्ट्रेशन शॉप एक्ट के तहत किया जाता है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

नोएडा स्पोर्टस सिटी में बिल्डर ने जमा किए 80 करोड़

प्राधिकरण ने जारी किए थे 62 बिल्डर को नोटिस, 11 हजार करोड़ है बकाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं से जुड़े कुछ डेवलपर्स ने अपने बकाए का भुगतान करना शुरू कर दिया है। लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन्स के नेतृत्व वाले सेक्टर 150 स्पोर्ट्स सिटी परियोजना में कंसोर्टियम पार्टनर ब्रिक राइज़ डेवलपर्स ने 80 करोड़ रुपये जमा किए।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर 150 स्पोर्ट्स सिटी के कई अन्य कंसोर्टियम ने भी बकाया जमा करने की इच्छा व्यक्त की है। प्राधिकरण द्वारा मांगे गए बकाया में लंबित प्रीमियम, प्रीमियम पर ब्याज, दंडात्मक ब्याज, लीज़ रेंट, टाइम एक्सटेंशन 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवज़ा राशि शामिल है। नोएडा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि शहर की चार स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं में विभिन्न डेवलपर्स को 62 नोटिस जारी किए गए हैं। इन परियोजनाओं पर प्राधिकरण का कुल मिलाकर 11,000 करोड़ रुपये बकाया है।

ये परियोजना चार प्रमुख डेवलपर्स को आवंटित की गई थीं। लेकिन बाद में उन्होंने भूखंडों को उप-विभाजित कर दिया और उन्हें अपने कंसोर्टियम भागीदारों को उप-पट्टे पर दे दिया। ऐसे करीब 81 सबलीज बने। जिसमें से 62 को नोटिस जारी किया गया। ये नोटिस फरवरी- मार्च 2025 में जारी किए गए। इसी नोटिस के खिलाफ बिल्डर सुप्रीम कोर्ट गए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

बिल्डर पहुंचे सर्वोच्च न्यायालय

पीठ ने कहा, 'अदालत के पास जांच सीबीआई को सौंपने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है... हमें उम्मीद और भरोसा है कि जांच जल्द से जल्द पूरी की जाएगी।' इसके जवाब में, कई डेवलपर्स ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने सीबीआई और ईडी की जांच पर रोक नहीं लगाई, लेकिन उसने एजेंसियों को फिलहाल डेवलपर्स के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। इन मामलों में अगली सुनवाई अगस्त के पहले सप्ताह में निर्धारित है।

डीएम का स्वागत

दादरी में आज आयोजित तहसील दिवस में लोगों की समस्याएं सुनती जिलाधिकारी मेधा रूपम। इस मौके पर पत्रकारों ने नवनियुक्त डीएम मेधा रूपम को शाल ओढ़ाकर तथा गुलदस्ता देखकर उनका स्वागत भी किया। इस दौरान ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष नंदगोपाल वर्मा, अरूण सिन्हा, राजेश शर्मा, संदीप कुमार व अन्य मौजूद रहे। तहसील दिवस पर जिलाधिकारी ने आम लोगों की समस्याएं सुनी तथा मौजूद अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए।

ट्रंप का वार

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

जब किसी वैश्विक ताक़त के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाज़ी' और 'दबाव नीति' का औज़ार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुनः स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज़ गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाज़ार में निरंतर अपनी पकड़ मज़बूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहाँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाज़ार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब निर्भरता की नीति से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाज़ारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मज़बूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलतः 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के ज़रिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाज़ारों में भारत अपनी पकड़ को और मज़बूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है।

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी 'अमेरिका के साथ मित्रता' है, लेकिन 'आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-'लोकल को ग्लोबल बनाओ', और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन 'केवल विकास' नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि उस अवसर पर जो जिस प्रकार आया और जिसके मन को जो अच्छा लगा, राजा ने उसे वही दिया। हाथी, रथ, घोड़े, सोना, गायें, हीरे और भाँति-भाँति के वस्त्र राजा ने दिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-मन संतोषे सबन्हि के जहँ तहँ देहिं असीस।
सकल तनय चिर जीवहुँ तुलसिदास के ईस॥

राजा ने सबके मन को संतुष्ट किया। (इसी से) सब लोग जहाँ-तहाँ आशीर्वाद दे रहे थे कि तुलसीदास के स्वामी सब पुत्र (चारों राजकुमार) चिरजीवी (दीर्घायु) हों॥

कछुक दिवस बीते एहि भाँती। जात न जानिअ दिन अरु राती॥
नामकरन कर अवसरु जानी। भूप बोलि पठए मुनि ग्यानी॥

इस प्रकार कुछ दिन बीत गए। दिन और रात जाते हुए जान नहीं पड़ते। तब नामकरण संस्कार का समय जानकर राजा ने ज्ञानी मुनि श्री वशिष्ठजी को बुला भेजा॥

करि पूजा भूपति अस भाषा। धरिअ नाम जो मुनि गुनि राखा॥
इन्ह के नाम अनेक अनूपा। मैं नृप कहब स्वमति अनुरूपा॥

मुनि की पूजा करके राजा ने कहा- हे मुनि! आपने मन में जो विचार रखे हों, वे नाम रखिए। (मुनि ने कहा-) हे राजन! इनके अनुपम नाम हैं, फिर भी मैं अपनी बुद्धि के अनुसार कहूँगा॥

(क्रमशः...)

सत्ता की खट्टी चाशनी (व्यंग्य)

चंपकलाल का आदर्शवाद धीरे-धीरे व्यवहारिकता की दलदल में धँसने लगा। उसे पता चला कि चुनाव सिर्फ़ भाषणबाजी से नहीं, बल्कि खर्चा-पानी से भी जीते जाते हैं। अरे! यह तो पैसे का खेल है! उसने एक दिन अपनी पत्नी से कहा, जब एक वोट-ठेकेदार ने उससे प्रति वोट की कीमत पूछी।

एक था हमारा श्रीमान चंपकलाल, रामभरोसे नगर का एक ऐसा आम आदमी, जिसकी जेब में भले ही छेद हो, पर सपनों का गुब्बारा हमेशा आसमान छूता रहता था। उसकी आँखों में एक अजीब-सी चमक थी, जो अक्सर उन लोगों में पाई जाती है, जो या तो बहुत भोले होते हैं या फिर बहुत बड़े वाले खिलाड़ी। चंपकलाल की कहानी कुछ ऐसी ही थी। बचपन से ही उसे कुर्सी से बड़ा लगाव था। स्कूल में मॉनिटर की कुर्सी, कॉलेज में छात्रसंघ अध्यक्ष की कुर्सी, और अब, जीवन की इस ढलती शाम में, उसकी नज़र गड़ी थी पार्षद पद की उस सुनहरी कुर्सी पर। उसे लगता था, यह कुर्सी नहीं, साक्षात् मोक्ष का द्वार है, जहाँ से वह रामभरोसे नगर की हर गली, हर नुक्कड़, हर नाली का उद्धार कर देगा। अरे! यह कुर्सी मिली तो समझो, जनता का भाग्य बदल गया! वह अक्सर अपनी पत्नी, श्रीमती ललिता देवी से कहता, जो बेचारी हर बार सिर्फ़ अपनी साड़ी का पल्लू कसकर रह जाती थीं, क्योंकि उन्हें पता था कि चंपकलाल के सपनों का बजट हमेशा उनकी साड़ी के पल्लू से ही निकलता है। चंपकलाल की नज़र में पार्षद की कुर्सी सिर्फ़ एक पद नहीं, बल्कि एक स्टेटस सिंबल था, एक ऐसा सिग्नेचर स्टाइल जिससे उसकी वैल्यू बढ़ जाती। वह अक्सर कल्पना करता, कैसे लोग उसे देखकर जय हो पार्षद जी! कहेंगे, कैसे उसकी गाड़ी के आगे-पीछे समर्थकों की भीड़ चलेगी, और कैसे उसकी एक आवाज़ पर सरकारी बाबू सैल्यूट ठोकेंगे। यह कुर्सी उसके लिए सिर्फ़ सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि सेल्फी का माध्यम भी थी, जहाँ वह जनता के साथ खड़े होकर अपनी ब्रांडिंग कर सके। उसे लगता था, यह कुर्सी मिली तो उसके सारे पाप धुल जाएँगे और वह सीधा स्वर्ग का टिकट कटा लेगा, बस एक बार यह पार्षद का ठप्पा लग जाए। उसकी यह महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल थी कि वह हर रात उसी कुर्सी के सपने देखता, कभी उसे सोने की बनी देखता तो कभी हीरे-जवाहरात से जड़ी। उसे लगता था, यह कुर्सी तो बस उसी के लिए बनी है, जैसे अंगूर सिर्फ़ लोमड़ी के लिए बने थे, बस पहुँचने भर की देर है। वह अपनी इस कुर्सी-प्रेम की कहानी हर किसी को सुनाता, और हर कोई सुनकर मुस्कुराता, क्योंकि रामभरोसे नगर में चंपकलाल की उड़ान और लैंडिंग का इतिहास सबको पता था।

चंपकलाल ने अपनी पार्षद-प्राप्ति की यात्रा शुरू की, जो किसी महाकाव्य से कम नहीं थी, बस उसमें नायक की जगह एक कॉमिक रिलीफ था। उसने सबसे पहले अपनी पुरानी साइकिल पर पार्षद पद हेतु के पोस्टर चिपकाए, जिन पर उसकी एक ऐसी तस्वीर थी, जिसमें वह मुस्कुरा कम रहा था और दांत ज़्यादा दिखा रहा था। पोस्टर पर लिखा था, जनता का सेवक, चंपकलाल! जबकि जनता को पता था कि वह सेवक कम, सेवई ज़्यादा खाता है। उसने दो बेरोज़गार युवाओं को समर्थक के तौर पर काम पर रखा, जिन्हें वह हर सुबह चाय और समोसे का लालच देकर जय-जयकार करवाता था। ये दोनों युवा भी ऐसे थे कि जय हो चंपकलाल! बोलने से पहले समोसे का साइज़ नापते थे। चंपकलाल ने मोहल्ले की हर नुक्कड़ पर, हर गली के मोड़ पर, हर चाय की दुकान पर अपनी ओजस्वी भाषणबाजी शुरू की। उसकी आवाज़ इतनी ओजस्वी थी कि मोहल्ले के कुत्ते भी भौंकना बंद कर देते थे, शायद उन्हें लगता था कि कोई नया शिकारी आ गया है। वह अपने भाषणों में बड़े-बड़े नेताओं की नकल करता, कभी नेहरू की शांति की बात करता तो कभी गांधी के सत्य की, पर उसकी बातें इतनी गोल-मोल होती थीं कि जनता को लगता था, यह गोलगप्पे बेचने आया है। एक बार तो उसने भ्रष्टाचार मुक्त रामभरोसे नगर का नारा दिया, तो पीछे से एक बुज़ुर्ग ने पूछ लिया, बेटा, पहले अपनी जेब का छेद तो भर ले! चंपकलाल का जनता से सीधा संवाद अक्सर जनता के सीधे सवालों में बदल जाता था, और वह हर बार अंगूर खट्टे हैं वाली मुद्रा में आ जाता था। उसकी पत्नी ललिता देवी, जो उसकी फाइनेंस मैनेजर भी थीं, हर शाम हिसाब लगातीं कि कितने समोसे और कितनी चाय में कितने वोट खरीदे जा सकते हैं। उन्हें पता था कि चंपकलाल का विजन बड़ा है, पर वॉलेट छोटा। यह सब देखकर लगता था, चंपकलाल चुनाव नहीं, बल्कि कॉमेडी शो लड़ रहा है, जिसमें दर्शक कम, कलाकार ज़्यादा हैं।

चंपकलाल का आदर्शवाद धीरे-धीरे व्यवहारिकता की दलदल में धँसने लगा। उसे पता चला कि चुनाव सिर्फ़ भाषणबाजी से नहीं, बल्कि खर्चा-पानी से भी जीते जाते हैं। अरे! यह तो पैसे का खेल है! उसने एक दिन अपनी पत्नी से कहा, जब एक वोट-ठेकेदार ने उससे प्रति वोट की कीमत पूछी। चंपकलाल को लगा, वह कोई सब्ज़ी मंडी में आ गया है, जहाँ टमाटर की तरह वोट भी बिकते हैं। उसे फंडिंग की ज़रूरत पड़ी, तो वह बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पास गया, पर सबने उसे ऐसा देखा जैसे वह एलियन हो। एक ने तो साफ़ कह दिया, भाई साहब, हम सिर्फ़ विनिंग हॉर्स पर दाँव लगाते हैं, गधे पर नहीं! चंपकलाल को यह सुनकर ऐसा लगा जैसे किसी ने उसके आत्मसम्मान पर बम फोड़ दिया हो। फिर उसे गठबंधन की राजनीति का पाठ पढ़ाया गया। उसे समझाया गया कि रामभरोसे नगर में जातिगत समीकरण और वोट बैंक का खेल कितना पेचीदा है। उसे कहा गया कि उसे दागी नेताओं से भी हाथ मिलाना होगा, क्योंकि गंगा में डुबकी लगाने के लिए गंदा पानी भी ज़रूरी होता है। चंपकलाल का शुद्ध मन इस अशुद्ध राजनीति को देखकर घबरा गया। उसे लगा, यह तो अंगूर नहीं, विषैले फल हैं, जिन्हें खाने से पेट खराब हो जाएगा। उसके आदर्शवाद की दीवारें एक-एक करके ढहने लगीं, जैसे किसी पुराने मकान की प्लास्टर। वह कभी गांधीवादी बनने की कोशिश करता तो कभी क्रांतिकारी, पर हर बार हास्य का पात्र बनकर रह जाता। उसकी भोली आँखें अब चालाक होने की कोशिश कर रही थीं, पर कुदरत ने उसे चालाक बनाया ही नहीं था। वह समझौता करने की कोशिश करता, पर हर बार समझौता ही उससे समझौता कर लेता। उसे लगने लगा कि यह कुर्सी तो मायाजाल है, जिसमें फँसकर अच्छे-अच्छे राक्षस बन जाते हैं।

जनता, जो कई चुनावों का तमाशा देख चुकी थी, अब चंपकलाल जैसे नए खिलाड़ी पर कोई भाव नहीं दे रही थी। उसके भाषणों पर लोग ऐसे झपकी लेते थे, जैसे वह कोई लोरी सुना रहा हो। अरे! फिर आ गया ये भाषणवीर! लोग आपस में फुसफुसाते। चंपकलाल जब रामभरोसे नगर के विकास की बात करता, तो लोग पूछते, पहले अपने घर की नाली तो साफ़ करवा लो! उसकी भावुक अपीलें भी बेअसर थीं। वह कहता, मैं आपके लिए जान दे दूँगा! तो पीछे से कोई कहता, पहले अपनी जेब तो भर लो! जनता को ज्ञान नहीं, काम चाहिए था। वे वादे नहीं, वोट के बदले पार्टी चाहते थे। चंपकलाल जब परिवर्तन की बात करता, तो लोग कहते, भाई साहब, परिवर्तन तो हमने बहुत देखे, अब सिर्फ़ परेशानी दिखती है! उसकी हर कोशिश पर जनता का ठहाका लगता, या फिर उपेक्षा का पहाड़ टूट पड़ता। उसे लगने लगा था कि वह अंगूर तोड़ने नहीं, बल्कि पत्थर तोड़ने आया है।

- डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
(हिंदी अकादमी, मुंबई से सम्मानित नवयुवा व्यंग्यकार)

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन दायक समय। कुटुंब में वृद्धि होगी। अनेकों तरह की परेशानियां सॉल्व होंगी इन दिनों। स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक अलग तेज। एक अलग आकर्षण आ गया है आपमें। जो चाह रहे हैं वो हो रहा है और जैसा सोच रहे हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक लाभ होगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति बहुत उतरोतर वृद्धि करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितयां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रोगग्रस्त हो सकते हैं। छोटी-मोटी परेशानियां परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन में बुद्धि के कारण बहुत आगे बढ़ रहे हैं आप।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अटेवा ,पेंशन बचाओ मंच गौतम बुद्धनगर के बैनर तले आज प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा गया।

अटेवा पुरानी पेंशन बहाली मंच के जिला संयोजक रविंद्र सिंह ने बताया कि सासंद और विधायक पुरानी पेंशन लेते हैं और शिक्षक, कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस देते हैं यह सौतेला व्यवहार अब नहीं चलेगा। धरना का संचालन जिला प्रवक्ता मानवेंद्र भाटी ने किया। सभी विभागों के साथियों ने धरने में सम्मिलित हुए। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नौरंगी सिंह ने धरने में आए सभी शिक्षक, कर्मचारी का आभार प्रकट किया।

धरने में डॉ बी सिंह, वीरेंद्र कुमार दीपक भाटी तस्लीम खान, रविंद्र रोशा, नीरज कुमार आदि ने धरने को संबोधित किया। धरने में भूदेव सिंह प्रमोद, बहादुर सिंह, वीरेंद्र सिंह चौहान, नीरज कुमार सिंह, सुनील कुमार, आशीष श्रीवास्तव कुलदीप गुप्ता, उमर्वेग, तरुण चौहान, संजय खारी, उमेश खारी, वीरेंद्र विश्वकर्मा, रोहतास कुमार, जगदीश क्षेत्रपाल, दीपिका लता, शहनाज, कमलेश यादव, दुर्गावती, करण राजीव सत्येंद्र, हरलाल, पुष्पेंद्र, संतोष, भूरा सिंह, रमेश बेनीवाल, मुकेश गुप्ता, सत्येन्द्र सिंह, राजीव भाई नवादा, करण खटाना, प्रमोद दुजाना हरेन्द्र प्रजापतिसहित सैकड़ो लोगों ने प्रतिभा किया।

शारदा अस्पताल में मनाया जा रहा विश्व स्तनपान सप्ताह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा अस्पताल में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जा रहा है। पूरे सप्ताह मनाए जाने वाले इसका मकसद स्तनपान के महत्व को उजागर करना और नवजात शिशु के वृद्धि और विकास पर बात करना है। महिलाओं के अपने बच्चों को स्तनपान कराने और कामकाजी जिंदगी के बीच तालमेल बैठाने से जुड़ा है। इस वर्ष यही कोशिश है कि महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा जागरूक, प्रेरित और उनकी मदद की जा सके जिससे वे स्तनपान के साथ-साथ काम भी सुचारू रूप से कर सकें।

शारदा अस्पताल के एमएस डॉ राममूर्ति शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम अस्पताल के बाल चिकित्सा विभाग की तरफ से कराया जा रहा है। अस्पताल में छात्रों ने पोस्टर मेकिंग और नुक्कड नाटक पेश करके स्तनपान के लाभ के बारे बताया। मेडिकल सुपिरिडेंट कहा कि स्तनपान के मां और बच्चे दोनों पर ही लंबे समय तक फायदे देखने को मिलते हैं। बच्चे को विकास और पोषण देने का प्रकृति का तरीका है। मां के दूध में सभी जरूरी पोषक तत्व, एंटीबॉडी और एंजाइम होते हैं। जो बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं और इंफेक्शन और बीमारियों से दूर रखते हैं।

इस दौरान बाल चिकित्सा विभाग के

एचओडी डॉ आरके थापर ने कहा कि अगस्त के पहले सप्ताह में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य शिशुओं को कुपोषण से बचाना और उनके मानसिक-शारीरिक विकास को बढ़ावा देना है।विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के सहयोग से यह अभियान स्तनपान के महत्व को रेखांकित करता है, जो बच्चों के स्वस्थ विकास और जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी तरीका है। इस वर्ष की थीम %स्तनपान को प्राथमिकता दें, स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं है। जिसका उद्देश्य माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है. यह थीम माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सहायता पर भी ध्यान दिलाती है।

इस दौरान डॉ सुषमा, डॉ रुचि राय,डॉ मीनाक्षी, डॉ समिता नायर, और नर्सिंग विभाग के सदस्य मौजूद रहे।

एसीईओ से की शिकायत

सेक्टरों में बह रहा सीवर का पानी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा शहर के सेक्टर बीटा वन व अन्य सेक्टरो, कस्बों में पिछले एक डेढ़ साल से सीवर ओवरफ्लो हो रहे है रोज़ 50-60 MLD गंदा पानी सेक्टरों से निकलता है सीवर का 40 प्रतिशत गंदा पानी सेक्टरों की वाटर ड्रेन मे जा रहा है एवं सड़कों पर बह रहा। जिसकी वजह से सेक्टर मे रह हरे बुजुर्गों बच्चों मे महामारी फैलने की संभावना बढ़ गई है।

समाजसेवी हरेन्द्र भाटी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा सीवर विभाग के अधिकारी आते हैं फ़ोटो खींचते चले जाते हैं समस्या का समाधान नहीं कराते। आखिर अधिकारियों के द्वारा इतनी लापरवाही क्यों बरती जा रही है। आखिर समस्या का समाधान कब तक होगा।

हरेन्द्र भाटी ने इस समस्या के समाधान को लेकर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह से शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि समस्या का समाधान तत्काल करवाया जाए।

वोडा महादेव मंदिर के पीछे सड़क का निर्माण शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-99 आरडब्ल्यूए के प्रयासों के बाद वोडा महादेव के पीछे वाली रोड का कार्य शुरू हो गया है। इस रास्ते के बनने से सेक्टर-50, 47, 48, 46 व सेंट्रल नोएडा जाने वाले वाहनों के लगभग 3 किलोमीटर की राहत मिलेगी।

सेक्टर-99 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष ऋषिपाल अवाना ने बताया कि नोएडा के कई सेक्टरवासियों को इस रोड़ के बनने से राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि आरडब्ल्यूए के जनरल सेक्रेटरी विनोद चौधरी कोषाध्यक्ष रामकेश चौधरी, सेक्टर-100 के सेंचुरी अपार्टमेंट के अध्यक्ष पवन यादव व प्लॉट एरिया के तत्कालीन अध्यक्ष राज कुमार चौधरी व वर्तमान अध्यक्ष प्रमोद आवना, सेक्टर- 47 के तत्कालीन अध्यक्ष पी.पी.एस

नागर, सेक्टर- 46 के अध्यक्ष सतीश प्रमुख व अध्यक्ष विजय राणा, सेक्टर-48 के अध्यक्ष दिनेश भाटी की आरडब्ल्यूए के प्रयासों से यह काम शुरू हो पाया। उन्होंने फोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा के योगदान की भी सराहना की।

श्री अवाना ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम व डीजीएम विजय रावल ने रास्ते के निर्माण की प्रक्रिया को जल्द शुरू करवाया।

फेलिक्स हॉस्पिटल आयोजित करेगा मेडिटेशन वर्कशॉप

नोएडा। मानसिक स्वास्थ्य के लिए फेलिक्स हॉस्पिटल्स द्वारा पहली बार दिल्ली एनसीआर में 'मैनिफेस्ट योर वे टू सक्सेस' नामक एक दिवसीय मेडिटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम रविवार 3 अगस्त को सुबह 9-30 बजे से शाम 5-30 बजे तक सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज के परिसर में आयोजित होगा। इस विशेष वर्कशॉप के मुख्य अतिथि नोएडा के विधायक और उत्तर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष पंकज सिंह जी होंगे। कार्यक्रम का संचालन और मेंटरिंग पिरामिड वैली इंटरनेशनल के चेयरमैन श्रेयंस डागा करेंगे।

फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी के गुप्ता का कहना है कि आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार और बढ़ते तनाव के बीच मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। प्राचीन समय से ध्यान, साधना और आध्यात्मिक शिक्षाओं को मानसिक स्वास्थ्य और आंतरिक संतुलन बनाए रखने के लिए अचूक साधन माना गया है। इसी उद्देश्य के तहत इस वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा ताकि लोग अपने विचारों और जीवन को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकें। जिसमें श्रेयंस डागा आध्यात्मिक शिक्षाओं और लाइफ ट्रांसफॉर्मेशन कोचिंग के बारे में बताएंगे। वह अब तक 20 लाख से अधिक लोगों को मेडिटेशन, श्वास क्रिया (ब्रीदवर्क) और जागरूक जीवन शैली के ज़रिए सशक्त कर चुके हैं। आयोजन का मकसद प्राचीन भारतीय ज्ञान को आज के युग के हिसाब से सरल भाषा और तकनीकों के माध्यम से प्रस्तुत करना है। जिससे हर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस कर सके। वर्क शॉप में गाइडेड मेडिटेशन के जरिए मन की शांति और ऊर्जा का अनुभव के बारे बताया जाएगा।

इस वर्कशॉप के कई फायदे हैं, जो हर उम्र और पेशे के व्यक्ति के लिए उपयोगी साबित होंगे। सबसे पहले, यहां गाइडेड मेडिटेशन और ब्रीदवर्क तकनीकों के जरिए मानसिक तनाव कम करने और मन को स्थिर रखने के तरीके सिखाए जाएंगे। इससे नींद की गुणवत्ता में सुधार, एकाग्रता बढ़ने और भावनात्मक संतुलन कायम रखने में मदद मिलती है।

महर्षि यूनिवर्सिटी में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षि यूनिवर्सिटी नोएडा ने एक सराहनीय पहल करते हुए 'थोड़ा सा ख्याल आपका' अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत विश्वविद्यालय परिसर में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है, जिसका उद्घाटन महर्षि यूनिवर्सिटी, नोएडा परिसर में हुआ।

स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। शिविर में मुख्य रूप से रक्त समूह की जांच, ब्लड प्रेशर की जांच समेत अन्य सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएंगे।

महर्षि यूनिवर्सिटी नोएडा कैंपस की डीन अकादमिक डॉ तृप्ति अग्रवाल ने जानकारी देते हुए कहा, 'हमारा मानना है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शुरुआत स्वास्थ्य से होती है। यह शिविर उसी दिशा में एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने बताया कि कभी-कभी एक साधारण सी स्वास्थ्य जांच समय पर हो जाने से बड़ी समस्या से बचा जा सकता है। इस शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल ओ पी शर्मा ने किया। इस मौके पर प्रमुख वित्त अधिकारी वरुण श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी समेत सभी विभागों के डीन, डिप्टी डीन, फैकल्टी और स्टूडेंट वॉलेंटियर मौजूद रहे ।

सेक्टर-34 में हुई प्राधिकरण अधिकारियों के साथ बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 में नोएडा प्राधिकरण द्वारा सेक्टर की समस्याओं के समाधान के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडब्लूए सेक्टर-34 अध्यक्ष के.के.जैन ने नोएडा प्राधिकरण के काम की सराहना की।

फ़ेडरेशन ऑफ़ आरडब्लूए सेक्टर-34 के महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से सेक्टर के विकास कार्यों संबंधित कुछ माँग भी रखीं। जिनमें वेंडर ज़ोन को सीमित करके ठीक प्रकार से लागू करना, शुक्रबाजार को सर्विस रोड़ में शिफ्ट करना, बड़े सिंचाई नाले को कवर करना, पार्कों में लाइटिंग फ़ाउंटेन लगाना, सेक्टर की मार्केट का सौंदर्यीकरण आदि शामिल थीं।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण से उद्यान निदेशक आनंद मोहन सिंह, जन स्वास्थ्य विभाग से परियोजना अभियंता गौरव बंसल, वर्क सर्किल से वरिष्ठ प्रबन्धक पारसनाथ सोनकर, जल/सीवर विभाग से वरिष्ठ प्रबन्धक प्रेमचंद सेन, विद्युत यांत्रिकी विभाग से सुनील कश्यप, प्रबंधक मनोज शुक्ला, सहायक निदेशक प्रशांत सिंह, प्रबंधक आदर्श सिंह, अवर अभियंता आरपी सिंह, महेश चौहान, एम.सी भारद्वाज, कुलदीप मुंशी, देवेंद्र वत्स, कर्नल अतुल सरीन, शेखर शर्मा, दीपाली पसारी, सुरेंद्र महाजन, संजीव महतो एवं वेदप्रकाश मिश्रा आदि मौजूद रहे।

छात्रों को भविष्य के प्रॉब्लम सॉल्वर बनाने के लिए लॉन्च हुआ 'एंथे 2025'

नोएडा (चेतना मंच)।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने एंथे के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाते हुए एंथे 2025 लॉन्च किया जो छात्रों को भविष्य के प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए सशक्त बनाएगा।

सेंटर हेड नीरज ने बताया कि आकाश इंस्टिट्यूट ने कक्षा 5 से 12 तक के छात्रों के लिए 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप (250 करोड़ तक) और 2.5 करोड़ के कैश अवॉर्ड की घोषणा की है। एईएसएल ने स्कॉलरशिप और एडमिशन के लिए 'आकाश इनविक्टस ऐस टेस्ट' लॉन्च किया है, एंथे परीक्षा इस साल 4 से 12 अक्टूबर 2025 के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित होगी, इस परीक्षा के ज़रिए क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इनविक्टस कोर्सेस के लिए स्कॉलरशिप दी जाएगी।

मेडिकल एकेडमिक हेड विष्णु बंसल ने बताया कि पिछले साल 10 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने यह एग्जाम दिया था जो एक रिकॉर्ड है।

इंजीनियरिंग एकेडमिक हेड आशुतोष गुप्ता ने बताया कि कई टॉपर्स (नीट, यूजी, जेईई मैन और एडवांस) ने अपनी तैयारी की शुरुआत पंथे से की थी जिनमें से नीट 2025 के टॉप 100 में से 22 और जेईई एडवांस 2025 के टॉप 100 में से 10 स्टूडेंट्स शामिल थे।

फाऊंडेशन अकैडमी हेड सौरभ ने बताया कि एईएसएल ने एक नया एग्जाम भी लॉन्च किया है आकाश इन्विक्टस ऐस टेस्ट, जो क्लास 8 से 12 के स्टूडेंट्स के लिए है जो एडवांस JEE की तैयारी करना चाहते हैं। यह एग्जाम 24 अगस्त, 31 अगस्त और 7 सितंबर 2025 को होगा।

रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। स्टूडेंट्स या पेरेंट्स आकाश इंस्टीट्यूट वेबसाइट पर जाकर या अपने शहर के नजदीकी आकाश इंस्टीट्यूट सेंटर पर विजिट करके अप्लाई कर सकते हैं।

नोएडा प्राधिकरण के सर्किल तीन से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। सेक्टर-99, 100 और कई जगह से प्राधिकरण ने अतिक्रमण हटाया। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सिविल के DGM व सीनियर मैनेजर में उनकी टीम रही मौजूद रही।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना ई.एल.एस.-एस.आर.ई.-25-26-टी-07 दिनांक 31.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व0 मण्डल बिजली इंजीनियर/टी.आर.एस, इलेक्ट्रिक लोको शेड, खानआलमपुरा यार्ड, सहारनपुर निम्नलिखित कार्य के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर रजिस्टर्ड/पंजीकृत निविदाकर्ताओं से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।

खुली निविदा संख्या	ई.एल.एस.-एस.आर.ई.-25-26-टी-07				
कार्य का विवरण	3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ट्रैक्शन मोटर (6FRA-6068) की मरम्मत/पुनर्स्थापना, जिसमें लेबिरिंथ का संशोधित सेट शामिल है।				
समापन/खोलने की तिथि	25.08.2025	**लगभग लागत**	रू 8,94,25,890/-		
अर्नेस्ट मनी	रू 5,97,100/-	**समापन अवधि**	18 महीने	**वैधता अवधि**	60 दिन
निविदा फॉर्म की लागत	आई0आर0ई0पी0एस0 से डाउनलोड हेतु नि:शुल्क तथा रूपये 10000/- Sr.DEE/TRS/SRE ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए				

1. वर्क्स निविदाएं की ई-टेंडरिंग में भाग लेने के निविदाकारों के पास कलास-।।। डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना चाहिए। 2. निविदाकर्ता को सभी पात्रता संबंधित दस्तावेजों की स्कैन प्रतियां को 3. अपलोड करना आवश्यक है। 4. सभी कर वर्तमान नियम के अनुसार लागू होंगे। विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें।

2346/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक गतिशक्ति पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र0 सं0:** 1, **ई निविदा संख्या:** CPM-GS-IZN-2025-08, **कार्य का नाम:** उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी/जी.एस./आई.जेड.एन. के अधिकार क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत एल.सी. को समाप्त करने के लिए बी.सी.-के.एस.जे. सेक्शन में 12 लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर आर.ओ.बी./आर.यू.बी. के निर्माण के लिए व्यवहार्यता अध्ययन सर्वेक्षण और डी.पी.आर. की तैयारी। **अनुमानित निविदा मुल्य (रू0):** 69,86,488.90, **बयाना राशि (रू0):** 1,39,700.00, **निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू0):** निल, **कार्य पुर्ण करने की अवधि:** 06 (छ:) माह, **क्र0 सं0:** 2, **ई निविदा संख्या:** CPM-GS-IZN-2025-09, **कार्य का नाम:** उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी/जी.एस./आई.जेड.एन के अधिकार क्षेत्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत एल.सी. को समाप्त करने के लिए सी.पी.ए.-एम.आर.टी. सेक्शन में 160 लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर आर.ओ.बी./आर.यू.बी. के निर्माण के लिए व्यवहार्यता अध्ययन सर्वेक्षण और डी.पी.आर. की तैयारी। **अनुमानित निविदा मुल्य (रू0):** 9,31,64,189.50, **बयाना राशि (रू0):** 6,15,800.00, **निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू0):** निल, **कार्य पुर्ण करने की अवधि:** 06 (छ:) माह, • बिडिगं प्रारम्भा करने की तिथि-07.08.2025 • उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि-दिनांक 21.08.2025 15.00 बजे तक • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि-दिनांक 21.08.2025 15.30 बजे • निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड नियम एवं शर्ते वेवसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति इज्जतनगर

मुजाधि/डबलू-189

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

मंडी सचिव ने भाजपाईयों संग सुना प्रधानमंत्री का उद्बोधन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में किसान सम्मन निधि जारी करने पहुंचे थे। उनके इस कार्यक्रम को फेस-2 स्थित मंडी समिति के सचिव पंकज कुमार शर्मा एवं अन्य भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री का लाइव सुना।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष महेश चौहान एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अमित त्यागी सहित कई भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंडी समिति के परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने के लिए मंडी समिति की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में दर्जन भर से अधिक लोगों ने हिस्सा लेकर प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना। इस मौके पर कार्यक्रम के आयोजक मंडी समिति के सचिव पंकज कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के हित एवं उनके उत्थान के लिए हमेशा काम करते रहे हैं।

एंटी टेररिस्ट फ्रंट के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पंडित के ग्रेटर नोएडा स्थित आवास पर आयोजित श्री सत्यनारायण कथा में पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र, पूर्व सांसद एवं कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर सहित कई राजनीतिक हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर रात्रि में रागनियों का भी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की तरफ से साफ-सफाई की व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर - 12, सेक्टर - 10, टेकजोन-4, ईकोटेक- 12 में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सेक्टर - 10 के जनता फ्लैटों में डोर टू डोर वेस्ट कलेक्शन, मैनुअल स्वीपिंग की पड़ताल की। सेक्टरवासियों के साथ विचार-विमर्श कर साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने पर चर्चा की गई। सेक्टर 10 व टेकजोन - 4 में हैंड माइक के जरिए लोगों को जागरूक किया गया। सेक्टर वासियों से कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने और सिर्फ डस्टबिन में ही कूड़ा डालने की अपील की गई।

फर्जी कॉल सेन्टर का पर्दाफाश 2 महिला समेत 18 गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-3 पुलिस और क्राइम रिस्पांस टीम ने ज्वाइंट ऑपरेशन चला कर एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो महिलाओं समेत 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह लोग गूगल ऐप के माध्यम से विदेशी नागरिकों का डाटा खरीदने के बाद उनके कंप्यूटर में वायरस डालकर उसे ठीक करने के नाम पर विदेशी नागरिकों से संपर्क कर कंप्यूटर को ठीक के नाम पर पैसा ऐंठा किया करते थे।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सभी आरोपी सेक्टर में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे और गूगल ऐप के माध्यम से विदेशी नागरिकों का डाटा खरीदने और उनके कंप्यूटर में वायरस डालकर उसे सही करने के नाम पर धोखाधड़ी कर पैसा ठगने का काम कर रहे थे। सेंट्रल नोएडा के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी यूएस में वेंडर के साथ मिलकर विदेशी नागरिकों का डाटा इकट्ठा करये और उनके कंप्यूटरों में वायरस डाल देते थे। फिर खुद को माइक्रोसॉफ्ट सपोर्ट का टेक्नीशियन बात कर एक्स लाइट ऐप के माध्यम से संपर्क करते थे। और उनको अल्ट्रा व्यूवर और टीम व्यूवर डाउनलोड करने को कहते थे. फिर बताते थे कि आपका सिस्टम हैक हो गया है और आपका बैंक अकाउंट, क्रेडिट कार्ड भी हैक होने की संभावना है। जब कॉलर अपनी डिटेल चेक करता था तो उसकी डिटेल स्क्रीनशॉट लेकर रख लेते थे। फिर विदेशी नागरिकों के कंप्यूटर को सही करने के नाम पर पेमेंट जीले ऐप और क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से लेते थे।

पृष्ठ एक के शेष....

भारत पर जो वार करेगा,.....

26 निर्दोष लोगों की बेहरमी से हत्या कर दी गई. उनके परिवार की पीड़ि़ता उन बच्चा का दुख और उन बेटियों की वेदना, मेरा मन बहुत दुख से भर गया था. तब मैं बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना कर रहा था कि उन्हें ये दुख सहन करने की शक्ति दे। मैंने जो वचन दिया था वो भी पूरा हुआ ये महादेश के आशीर्वाद से पूरा हुआ है।'

अपने संबोधन में पीएम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारत पर जो वार करेगा वो पाताल में भी नहीं बचेगा। दुर्भाग्य है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से अपने देश के भी कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है। ये कांग्रेस पार्टी और उनके चेले चपाटे इस बात को पचा नहीं पा रहे कि भारत ने आतंकियों के ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। मैं अपने भारतीयों से पूछना चाहता हूं कि आपको ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर गर्व है कि नहीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साथियों इन दिनों जब काशी में गंगा जल लेकर जाते हुए शिव भक्तों की तस्वीरें देखने का अवसर मिल रहा है और खास कर जब हमारे यादव बंधु बाबा का जलाभिषेक करने निकलते हैं तो वो बहुत ही मनोरम दृश्य होता है। आज काशी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की है. इस बारे में बोलते हुए पीएम ने कहा, 'जब काशी से धन जाता है तो वो अपने आप में प्रसाद बन जाता है. 21 हजार करोड़ रुपये किसाने के खाते में जमा कर दिए हैं।'

पीएम ने कहा कि पहले के सरकारों में किसानों के नाम पर एक घोषणा भी पूरी होना मुश्किल थी, लेकिन बीजेपी सरकार जो कहती है वो करके दिखाती हैं। आज पीएम किसान सम्मान निधि सरकार के पक्के इरादों की उदाहरण बन गई है।

इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी की, जिसके तहत देशभर के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए गए. इसके बाद पीएम ने दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित किए. पीएम ने दृष्टिबाधित छात्रा बबली को लो विजन का चश्मा भेंट किया और छात्रा से बातचीत की. इसके बाद पीएम ने संतोष कुमार पांडे व्हीलचेयर प्रदान की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस व सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से कुछ लोगों के पेट में दर्द है। कांग्रेस हमारी सेनाओं के पराक्रम का लगातार अपमान कर रही है। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को तमाशा कहा है। क्या सिंदूर तमाशा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सपा भी पीछे नहीं है। सपा के नेता संसद में आतंकियों के मारे जाने के टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं। क्या हमें फोन कर उनसे पूछना होगा कि आतंकियों को मारें या न मारें।

नोएडा स्पोर्टस सिटी में.....

लेकिन वहां भी प्राधिकरण के पक्ष में फैसला दिया गया। ऐसे में बिल्डर बकाया जमा कर रहा है।

दरअसल, उच्च न्यायालय ने 24 फरवरी 2025 को ने स्पोर्ट्स सिटी की चार में से तीन परियोजनाओं की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच के आदेश दिए। जिसमें भारी वित्तीय और नियोजन संबंधी अनियमितताओं का हवाला दिया गया। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने भूमि उपयोग मानदंडों के उल्लंघन, सार्वजनिक भूमि के दुरुपयोग, वित्तीय कुप्रबंधन और वादा किए गए खेल बुनियादी ढांचे के निर्माण में व्यवस्थित विफलता का ब्यौरा देते हुए 10 अलग-अलग फैसले सुनाए।

गौतमबुद्धनगर में 20 हजार ....

वर्तमान में नोएडा में करीब 1895 संस्थान है जो शॉप एक्ट के तहत रजिस्टर्ड है।

1900 का सर्वे होना बाकी

नोएडा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि यहां वर्तमान में 9463 इंडस्ट्री फंक्शनल है। इसमें 3831 इंडस्ट्री फैक्ट्री एक्ट के तहत रजिस्ट्रर्ड है। ये आंकड़ा रोज के सर्वे के अनुसार बढ़ रहा है। सर्वे प्राधिकरण अपने स्तर से करवा रहा है। 1900 का सर्वे अभी बचा है। जिनके लिए टीम लगी हुई है। आगामी एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा। इसमें प्राधिकरण की टीम फैक्ट्री जाकर उनके आवंटी से बातचीत कर रही है साथ ही उनको फैक्ट्री एक्ट में रजिस्टर्ड कराने के लिए जागरूक कर रही है।

दो भाईयों ने....

उसने जब दोनों भाइयों से बैनामा करने के लिए कहा तो वह इधर-उधर की बातें करने लगे। दोनों भाइयों की नियत को भांपकर उसने अपने एक करोड रुपए वापस मांगे तो दोनों भाई आग बबूला हो गए और गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। महेश अग्रवाल के मुताबिक दोनों भाइयों ने उसे धमकी दी कि अगर उसके उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की तो वह उसे जान से मार देंगे उनकी पहुंच बड़े-बड़े नेताओं में अधिकारियों से है। उसके बाद दोनों भाई उसके ऑफिस से चले गए। उसने थाना इकोटेक-3 में दोनों भाइयों के खिलाफ शिकायती पत्र दिया। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके बाद उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर दोनों भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय ने सुनवाई के पश्चात थाना ईकोटेक 3 पुलिस को दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

दो बदमाश पकड़े....

बाइक मोड कर भागने का प्रयास किया। हड़बड़ी में उनकी बाइक स्लिप होकर गिर गई। संदेह के आधार पर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने जब दोनों युवकों से बाइक के करजत मांगे तो उन्होंने स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम जावेद पुत्र समीम व साहिल पुत्र साहब निवासी नई आबादी दादरी बताया। उन्होंने दादरी व आसपास के क्षेत्र से कई बाइक चोरी की है। चोरी की बाइक को उन्होंने कठेड़ा रोड पर एक खंडहर मकान में छिपा रखा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 5 और बाइक के बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है।

आँधी में गिरी दीवार.....

दिखाते हुए गाली गलौज की और घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। तीनों आरोपियों ने बाउंड्री वॉल के निर्माण का काम कर रहे मजदूरों व मिस्त्रियों को भी डरा धमकाकर मौके से भगा दिया। इसके बाद आरोपी निर्माण कार्य करने पर जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित के मुताबिक उसने इसकी सूचना थाना दनकौर पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर कराए जाने की गुहार लगाई। न्यायालय में प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के पश्चात थाना दनकौर को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

अस्पताल के लिए....

उन्होंने बताया कि निर्माण सामग्री के लिए उन्होंने 3499251 रुपए का प्रोफार्मा चालान जारी किया। इसके लिए उन्होंने अपने बैंक से लोन भी लिया। इस धनराशि को उन्होंने शुभम एजेंसी के खाते में ट्रांसफर कर दिया। अग्रिम भुगतान होने के बावजूद भी चंद्र बोस ने निर्माण सामग्री की आपूर्ति निर्धारित समय के भीतर नहीं की। उन्होंने चंद्र बोस से संपर्क किया तो उसने बताया की सामग्री खरीदने में अधिक समय लग रहा है और जैसे ही यह खरीद ली जाएगी वह इसकी आपूर्ति कर देगा। इसके बाद वह उन्हें किसी न किसी बहाने से टालता रहा। काफी समय बीतने के बाद भी चंद्र बोस ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आपूर्ति नहीं की। उन्होंने निर्माण सामग्री की एवज में दिए गए अपने 35 लाख रुपए वापस मांगे तो उसने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया। इस संबंध में उन्होंने कई बार उसे फोन किया लेकिन उसने फोन पिक नहीं किया। थाना प्रभारी ने बताया कि डॉक्टर आदित्य अरोड़ा की शिकायत पर सप्लायर चंद्र बोस के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

खास खबर

नहर में गिरी कार, महिला की मौत पति लापता

करनाल। करनाल में देर रात कैथल पुल के पास एक कार पश्चिमी यमुना नहर में गिर गई। कार में पति-पत्नी सवार थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस, प्रशासन और गोताखोरों की टीम वहां पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद महिला के शव नहर में डूबी कार से बाहर निकाला। महिला की सीट बेल्ट बंधी थी, जिस वजह से उसे निकालने में मुश्किल हुई। वहीं कार में मौजूद पति की तलाश जारी है। मौके पर हाइड्रा मशीन की मदद से कार को भी बाहर निकाला गया। सूचना मिलते ही करनाल थाना सिविल लाइन इंचार्ज पहुंचे। उन्होंने बताया कि गाड़ी में सवार लोग करनाल के सेक्टर 13 में रहने वाले हैं। शुरूआती जानकारी के मुताबिक पति-पत्नी दोनों को रात करीब 9:30 बजे कलंदरी गेट के पास देखा गया था। इसके बाद कैसे और क्यों वे कैथल पुल के पास पहुंचे, यह जांच का विषय है। पुलिस को गाड़ी से दो मोबाइल फोन मिले हैं, जो संभवतः पति-पत्नी के हो सकते हैं। गाड़ी के एक तरफ का शीशा टूटा हुआ था और अंदर चाबी लगी मिली। इससे हादसे की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

अंडमान द्वीप के कांग्रेसी सांसद के घर पहुंची ईडी

नई दिल्ली । केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉड्रिंग के आरोप में कांग्रेस के पूर्व सांसद कुलदीप राय शर्मा के यहां छापा डाला है। अंडमान निकोबार स्टेट कोऑपरेटिव बैंक से जुड़े हुए ऋण धोखाधड़ी के मामले में यह छापेमारी की गई है। इसमें शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। ईडी ने पोर्ट ब्लेयर और आसपास के नौ स्थानों, जिसमें कोलकाता के दो स्थान भी शामिल हैं।ईडी के अधिकारियों ने यह छापेमारी की है। छापेमारी में 200 करोड रुपए के फर्जी ऋण आवंटन के दस्तावेज ईडी को प्राप्त हुए हैं। कुलदीप के ऊपर आरोप है, उन्होंने 15 फर्जी कंपनियां बनाकर बैंक से ओवरड्राफ्ट की सुविधा ली थी। जिसमें घपलेबाजी हुई है।

बाबा सिद्दीकी के बेटे को धमकी देने वाला गिरफ्तार

मुंबई। एनसीपी के दबंग पूर्व विधायक और दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को धमकी भरे ईमेल भेजने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर आरोपी दिलशाद उर्फ नौवेद को त्रिनिदाद और टोबैगो से हिरासत में लेकर मुंबई लाया गया। आरोपी बिहार के दरभंगा जिले का रहने वाला है और लंबे समय से त्रिनिदाद में रह रहा था। मुंबई पुलिस के मुताबिक जीशान सिद्दीकी को 19, 20 और 21 अप्रैल को कई धमकी भरे ईमेल मिले थे। भेजने वाले ने खुद को डी कंपनी से जुड़ा बताया और दावा किया था कि बाबा सिद्दीकी की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई का हाथ है। धमकी भरे ईमेल में जीशान से 10 करोड़ रुपए की फिरौती की मांग की गई थी और चेतावनी दी गई थी कि अगर रकम नहीं मिली, तो उनका भी उसके पिता जैसा ही हाल किया जाएगा। 21 अप्रैल को बांद्रा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत को 23 अप्रैल को क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। जांच में पता चला कि ईमेल एक अंतरराष्ट्रीय आईपी एड्रेस और त्रिनिदाद व टोबैगो के एक मोबाइल नंबर से आया था।

सड़क हादसे में एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को एक मार्ग दुर्घटना में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। एक बच्ची घायल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की पहचान के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि मैनपुरी के हरीपुर कैथोली गांव निवासी दीपक चौहानअपने परिवार के साथ आगरा में रहने वाली भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास कार अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक से उनकी कार टकरा गई। हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी ने बताया कि सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। मार्ग दुर्घटनामें मरने वालों की पहचान मैनपुरी के हरीपुर कैथोली गांव निवासी दीपक चौहान (36), उनकी पत्नी पूजा (34), बेटियां आशी (9), आर्या (4) और बहन सुजाता (50) के रूप में हुई है। दीपक की 11 वर्षीय बेटी आराध्या गंभीर रूप से घायल हैं, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेवर ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक व्यक्त किया और जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया अस्पताल पहुंच कर घायल को तत्काल समुचित उपचार और यथासंभव मदद पहुंचाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

सर्वाइकल कैंसर से होने वाली कुल मौतों में 25 प्रतिशत मौतें भारत में

एजेंसी

नई दिल्ली । हाल ही में संसद में केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि अब तक देशभर में 30 साल या उससे अधिक उम्र की 10.18 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की जांच की जा चुकी है। यह जांच देश के विभिन्न हिस्सों में मौजूद आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) में की गई, जो सरकार द्वारा स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। यह प्रयास महिलाओं में समय पर बीमारी की पहचान कर उसे रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली कुल मौतों में 25 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। इसका प्रमुख कारण बीमारी का देर से पता चलना और इलाज में देरी होना है। सरकार ने यह स्वीकार किया है कि देश की 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र की 25.42 करोड़ महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें सर्वाइकल कैंसर की जांच की आवश्यकता है। अब तक इनमें से 10.18 करोड़ महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। यह योजना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य है समय पर जांच, रोकथाम और इलाज सुनिश्चित करना। 30 से 65 वर्ष की महिलाओं पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें वीआईए (विजुअल इंस्पेक्शन विद एसिटिक एसिड) विधि से जांच की सुविधा दी जा रही है।

बारिश से अगस्त-सितंबर में भी लोगों को नहीं मिलेगी राहत

▸ इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी जैसे इलाकों में इस साल अच्छी बारिश हुई है। गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा और दिल्ली के तमाम इलाकों में जोरदार बारिश हुई है। कई मोहल्ले और सोसायटियों में तो लगातार पानी भरने की शिकायतें आती रहती हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त और सितंबर में भी सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि अगस्त में सामान्य बारिश होगी। इसके अलावा सितंबर में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। दो महीने में 106 फीसदी बारिश होगी, जो सामान्य से 6 फीसदी ज्यादा है। ऐसा देश के सभी हिस्सों में नहीं होगा। इस साल यूपी, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड में अच्छी बारिश होगी। पूर्वी भारत, मध्य भारत और पश्चिमी भारत के ज्यादातर राज्यों में बारिश सामान्य से कम होगी। इस साल बिहार, बंगाल और ओडिशा में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। आमतौर पर उत्तर बिहार में अच्छी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ब्लॉक स्तर पर भी बारिश का अनुमान जताया है। पूरे देश के 7,200 ब्लॉकों का मौसम कैसा रहेगा, कब बारिश होगी और कब आसमान साफ रहेगा इसकी जानकारी ब्लॉक-वाइज रेनफॉल मॉनिटरिंग स्कीम के जरिए की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि इसके जरिए रियलटाइम जानकारी मिलेगी। अब तक मौसम विभाग की ओर से जिलावार जानकारी दी जाती थी। माना जा रहा है कि अब मौसम विभाग का अनुमान सटीक हो सकेगा। आमतौर पर जिला स्तर के अनुमान में किसी एक हिस्से में बारिश होती थी और कहीं नहीं होती थी। इसे लोग मौसम विभाग के अनुमान से जोड़ते थे कि वह गलत साबित हुआ। अब ब्लॉक लेवल पर अनुमान लगाया जाएगा। मौसम विभाग ने जून और जुलाई की मॉनसून बारिश का भी आंकड़ा दिया है। मौसम विभाग ने कहा कि जून और जुलाई में ज्यादातर राज्यों में सरप्लस बारिश हुई, लेकिन मध्य, पश्चिम और पूर्वी भारत के कई राज्यों में अनुमान से कम बारिश हुई है।

3.46 करोड़ रुपये की एमडी और चरस ड्रग्स बरामद

मुंबई । मुंबई पुलिस ने भायखला इलाके में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 3.46 करोड़ रुपये की एमडी और चरस ड्रग्स बरामद की है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। 24 वर्षीय साहिल जुनैद अंसारी, जो ठाणे जिले के भिवंडी का निवासी को गिरफ्तार किया गया है। वह मुंबई में ड्रग्स की आपूर्ति के इरादे से आया था। कुल 1710.3 ग्राम एमडी और 18.07 ग्राम चरस जब्त की गई है, जिसकी कुल कीमत लगभग 3.46 करोड़ रुपये आंकी गई है। भायखला पुलिस स्टेशन के पुलिस शिपाई अमोल भावड, गांगुर्डे और भोये रानीबाग जंक्शन इलाके में नियमित गश्त कर रहे थे। उन्होंने एक संदिग्ध तेज रफ्तार कार को रोका, जिसके चालक साहिल अंसारी ने टालमटोल भरे जवाब दिए।

भारत और साइप्रस के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और साइप्रस के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने और पर्यटन सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय उच्चायुक्त मनीष ने साइप्रस के उप पर्यटन मंत्री कोस्टास कूमिस से मुलाकात की। यह बैठक दोनों देशों के बीच लगातार मजबूत हो रही रणनीतिक साझेदारी का हिस्सा है। दोनों अधिकारियों ने विशेष पर्यटन पहलों के माध्यम से सहयोग के नए अवसरों पर चर्चा की, जिसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देना है। बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय भारत और साइप्रस के बीच सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए एयरलाइंस को जोड़ने की संभावनाओं पर विचार करना था। यह कदम दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को काफी बढ़ा सकता है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ऐतिहासिक विरासत के माध्यम से संबंधों को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर रिश्तों को मजबूत करने और आपसी पहचान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। दोनों देशों के बीच फिल्म निर्माण में संभावित सहयोग पर भी चर्चा हुई। दरअसल यह बैठक जून महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस यात्रा के बाद हुई है, जहाँ उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडूलाइड्स के साथ सीधी हवाई सेवा की संभावनाओं और पर्यटन बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की थी। दोनों देशों ने 2025 के अंत तक मोबिलिटी पायलट प्रोग्राम अरेंजमेंट को अंतिम रूप देने पर भी सहमति व्यक्त की है।

श्रीनगर के बीएसएफ बटालियन मुख्यालय से एक जवान लापता

एजेंसी

श्रीनगर। श्रीनगर स्थित 60वीं बटालियन मुख्यालय से गुरुवार देर शाम सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान लापता हो गया है। उसका पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया है । अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ की 60वीं बटालियन का यह जवान पंथाचौक में तैनात था। आस-पास के इलाकों में व्यापक प्रयासों के बावजूद उसका पता नहीं चल पाया है। इसके बाद गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि जवान के लापता होने के पीछे क्या कारण है। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के कोतवाली देहात स्थित सिखेरा गांव का मूल निवासी सुगम चौधरी स्वर्गीय देवेंद्र कुमार का पुत्र हैं। प्रारंभिक आंतरिक रिपोर्टों के अनुसार उसका रंग गोरा, बाल काले और कद 174.5 सेमी बताया गया है। लापता होने से पहले उसने किसी भी तरह की परेशानी या असामान्य व्यवहार का संकेत नहीं दिया था। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है और उनके परिवार को स्थिति से अवगत करा दिया गया है।

लंदन में सिख युवक की हत्या

लंदन। पूर्वी लंदन के इलफोर्ड क्षेत्र में फेलब्रिज रोड पर गुरमुख सिंह उर्फ गैरी (30) की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना 23 जुलाई की रात की बताई जा रही है। पुलिस और लंदन एम्बुलेंस सेवा को एक झगड़े की सूचना मिलने के बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे लेकिन प्रयासों के बावजूद गैरी की मौके पर ही मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम रिपोर्ट में गुरमुख सिंह उर्फ गैरी की मौत का कारण उनकी बाईं जांघ में चाकू लगना था। इस हत्या की जांच मेट्रोपॉलिटन पुलिस की स्पेशलिस्ट क्राइम नॉर्थ यूनिट कर रही है। पुलिस ने इस मामले में अमरदीप सिंह (27) को गिरफ्तार किया है।

आपत्तिजनक पोस्ट के बाद आगजनी, दो गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे जिले के दौंड तहसील के यवत गांव में शुक्रवार को सुबह एक आपत्तिजनक पोस्ट की वजह से तनाव फैल गया। गुस्साए लोगों ने कई जगह आगजनी की। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आसू गैस के गोले दागे पड़े। इस मामले में यवत पुलिस स्टेशन की टीम ने आपत्तिजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप गिल ने घटना की जानकारी मिलते ही यवत का दौरा किया। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि यवत के साप्ताहिक बाजार में आज लोग जमा थे। उसी समय एक युवक ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी। इसके बाद गांव में तनावपूर्ण माहौल बन गया। कई जगह तोडफोड़ की गई, जिससे यहां अतिरिक्त पुलिस बल मंगाया गया। पुलिस ने तत्काल आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने सभी लोगों को घर जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि अफवाहों पर लोग विश्वास न करें, इस मामले की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि यवत के एक मंदिर में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के साथ अपमानजनक व्यवहार किया था। तब से यहां तनावपूर्ण स्थिति थी। आज सुबह अचानक सैयद नामक शख्स ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट कर दिया, इससे लोगों का गुस्सा बढ़ गया था। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने आपत्तिजनक पोस्ट डालने वाले युवक के घर में आग लगा दिया। साथ ही कई घरों में तोड़ फोड़ की और टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागे । इसके बाद पुलिस ने दोनों समाज के प्रमुख लोगों से चर्चा कर स्थिति को नियंत्रित किया है।

अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। डीसीपी अंकित चौहान के नेतृत्व में,दक्षिण जिला पुलिस ने अपनी सतर्कता, सूझबूझ और कर्तव्यनिष्ठा का शानदार प्रदर्शन करते हुए हौज खास इलाके में एक रात्रि गश्त के दौरान अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इस साहसिक मुठभेड़ में पुलिस ने न केवल अपराधियों को पकड़ा, बल्कि चोरी की मोटरसाइकिल और औजार भी बरामद किए। इस कार्रवाई के दौरान आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में एक आरोपी घायल हो गया, दरअसल बीती रात, दक्षिण जिला पुलिस की रात्रि गश्ती टीम हौज खास क्षेत्र में नियमित गश्त पर थी। इस दौरान टीम को एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध व्यक्ति नजर आए, जिनका व्यवहार संदेहास्पद था। गश्ती दल ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए संदिग्धों का पीछा शुरू किया। संदिग्धों ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, जिसके बाद एक त्वरित और सुनियोजित कार्रवाई में पुलिस ने उन्हें घेर लिया,भागने के प्रयास में संदिग्धों ने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके जवाब में पुलिस को आत्मरक्षा में नियंत्रित फायरिंग करनी पड़ी। इस फायरिंग में एक आरोपी घायल हो गया, जबकि अन्य दो को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है,पुलिस ने मौके से चोरी की एक मोटरसाइकिल और चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी एक अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के सदस्य हैं, जो दिल्ली और आसपास के राज्यों में चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। घायल आरोपी के खिलाफ दिल्ली के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और अन्य अपराधों के 14 मामले पहले से दर्ज हैं। अन्य दो आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है,दक्षिण जिला पुलिस के इस साहसिक ऑपरेशन की जमकर सराहना करते हुए डीसीपी अंकित चौहान ने कहा कि यह जिला पुलिस की तत्परता को दर्शाती है, बल्कि अपराधियों के मन में खौफ पैदा करने में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने में दें पुलिस ने इस मामले में गहन जांच शुरू कर दी है ताकि गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और उनकी आपराधिक गतिविधियों का पता लगाया जा सके। साथ ही, बरामद मोटरसाइकिल और औजारों की जांच की जा रही है ताकि इनके जरिए अन्य अपराधों का खुलासा हो सके।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना दोषी करार

बेंगलुरु । जेडी(एस) के नेता और कर्नाटक के हासन लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा है। महिलाओं के साथ यौन शोषण और बलात्कार के मामले में उन्हें दोषी करार दिया गया है। जब कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया, तब प्रज्वल खुद को रोक नहीं सके और कोर्ट में ही फूट-फूटकर रोने लगे। कोर्ट से बाहर निकलते वक्त भी उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे। कोर्ट में मौजूद लोगों ने बताया कि फैसला सुनकर वे बिल्कुल टूट गए और चुपचाप बाहर निकल गए। अभी सिर्फ यह तय हुआ है कि प्रज्वल रेवन्ना मामले में दोषी हैं। कोर्ट ने कहा है कि सजा का ऐलान 2 अगस्त को होगा।

वैज्ञानिकों ने सूक्ष्मजीव खोजा जो निकाल सकता है सोना

एजेंसी

लंदन । वैज्ञानिकों ने एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा किया है, जो सोने की उत्पत्ति और उसे निकालने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक सूक्ष्मजीव खोजा है, जो जहरीली मिट्टी में पाया जाता है और सोना निकाल सकता है। इस जीव का नाम कप्रीएविडस मेटालिड्यूरन्स है। यह माइक्रोब ऐसी जमीन में रहता है जहां भारी धातुएं मौजूद होती हैं। खास बात यह है कि यह धातुओं को खाकर उन्हें 24 कैरेट सोने के नन्हें-नन्हें कणों में बदल देता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह जीव एक विशेष रासायनिक प्रक्रिया से इन धातुओं को बेअसर करता है और अपने शरीर पर सोने के कण बनाने लगता है। यह सूक्ष्मजीव एक तरह से प्रकृति का ह्यअलकेमिस्टह्ल (धातु को सोने में बदलने वाला) है। इसके जीन में ऐसे एंजाइम होते हैं जो जहरीले आयनों को निष्क्रिय कर देते हैं। जब इसे सोने के आयन मिलते हैं तो यह सीओपीए और सीयूपीए जैसे एंजाइम बनाता है जो इन आयनों को नैनोकणों में बदल देते हैं। ये कण फिर जीव के शरीर से बाहर निकल जाते हैं और यह प्रक्रिया जीव को जिंदा भी रखती है। इस खोज के कई व्यावहारिक लाभ हैं। आज का सोना खनन करना बेहद महंगा और पर्यावरण के लिए हानिकारक होता है। लेकिन यदि इस सूक्ष्मजीव से प्रेरित होकर वैज्ञानिक बायोमिमेटिक खनन या जैव-प्रेरित विधियां विकसित करें, तो कम गुणवत्ता वाले अयस्क, ई-कचरा या खनन के अवशेष से भी सोना निकाला जा सकता है। इससे पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचेगा और खनन की लागत भी घटेगी।

कैबिनेट ने चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेलवे मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनकी कुल अनुमानित लागत लगभग 11,169 करोड़ है। डांगोआपोसी - जरोली तीसरी और चौथी लाइन, औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) - परभणी दोहरीकरण, अलीपुरद्वार रोड - न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन, इटारसी - नागपुर चौथी लाइन, दक्षिण पूर्व रेलवे की डांगोआपोसी झ जरोली तीसरी और चौथी लाइन परियोजना। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1,752 करोड़ है। यह परियोजना ओडिशा के क्योंझर ज़िले और झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम ज़िले में स्थित लौह अयस्क क्षेत्र और इस्पात उत्पादन इकाइयों को जोड़ती है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह भारत के 300 मिलियन टन वार्षिक इस्पात उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगी।

मार्ग लंबाई: 43 किमी, ट्रैक लंबाई: 108 किमी, 7 स्टेशन, 10 बड़े पुल, 196 छोटे पुल, 8 आरओबी (रेल ओवर ब्रिज), 4 आरयूबी (रेल अंडर ब्रिज), 2 रेल ओवर रेल ब्रिज, 3.85 करोड़ लीटर डीजल की बचत। 170 करोड़ किलोग्राम सीओ2 की बचत (जो लगभग 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है), 50 मिलियन टन माल की ढुलाई की सुविधा। 6,038 करोड़ की लॉजिस्टिक लागत में बचत, ये चारों स्वीकृत परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो इन क्षेत्रों के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएंगी। ये परियोजनाएं समग्र विकास को बढ़ावा देंगी, जिससे रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये सभी योजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका उद्देश्य बहु-माध्यमीय कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। यह चारों परियोजनाएं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड के कुल 13 ज़िलों में फैली हुई हैं और भारतीय रेलवे के नेटवर्क को लगभग 574 किलोमीटर तक बढ़ाएंगी। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्वच्छता गतिविधियों का किया आयोजन

कोलकाता । दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर 1 अगस्त, 2025 से 15 अगस्त, 2025 तक मुख्यालय और मंडलों में स्वच्छता गतिविधियों की शुरूआत की है। इस क्रम में, दक्षिण पूर्व रेलवे के अपर महाप्रबंधक, सौमित्र मजूमदार ने दिनांक 01.08.2025 को गार्डनरीच स्थित दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारियों ने स्वच्छता बनाए रखने और भारत को स्वच्छ और सुंदर देश बनाए रखने की शपथ ली। दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्ध रहने और इसके लिए समय समर्पित करने की प्रतिज्ञा की। दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थे। आगे भी स्वच्छता गतिविधियाँ, मुख्यालय और दक्षिण पूर्व रेलवे के चारों मंडलों में आयोजित की जाएंगी तथा सभी अधिकारी एवं कर्मचारी स्वच्छता अभियान में भाग लेंगे ।

डिमेंशिया के प्रति जागरूकता और समय पर पहचान जरूरी

एजेंसी

लंदन । डिमेंशिया जैसे गंभीर न्यूरोलॉजिकल रोग का निदान औसतन साढ़े तीन साल की देरी से होता है, जिससे मरीजों और उनके परिवारों को समय पर इलाज और मदद नहीं मिल पाती। यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है एक ताज अध्ययन में। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि डिमेंशिया के शुरूआती लक्षणों जैसे याददाश्त की कमजोरी, शब्दों को याद करने में कठिनाई, भ्रम, और व्यवहार में बदलाव को अक्सर उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा मान लिया जाता है। यही कारण है कि लोग चिकित्सकीय मदद लेने में देरी करते हैं। अध्ययन में 13 अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के डेटा की समीक्षा की गई, जिसमें यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और चीन के कुल 30,257 मरीजों की जानकारी शामिल थी। इसमें यह भी सामने आया कि कम उम्र में शुरू होने वाले डिमेंशिया और फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया के मामलों में औसतन 4.1 साल तक निदान में देरी हो सकती है। कुछ समूहों में यह समय और अधिक हो सकता है। यूसीएल की प्रमुख शोधकर्ता डॉ. वासिलिकी ऑर्गेटा ने बताया कि डिमेंशिया का समय पर निदान आज वैश्विक स्तर पर एक बड़ी चुनौती है।

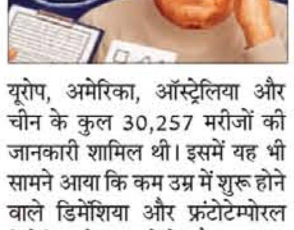

खास खबर

कैंसर से पीड़ित थे डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क

सेन डियागो । डब्ल्यूडब्लयूई रेसलर हल्क होगन की मौत दिल के दौरे से नहीं बल्कि कैंसर से हुई थी। वहीं पहले कहा गया था कि इस पहलवान की मौत दिल के दौरे से हुई है पर अब जांच रिपोर्ट से साफ हो गया है कि हल्क लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। इस रिपोर्ट के अनुसार 71 साल के हल्क को दिल की धड़कन में लगातार उतार-चढ़ाव आ रहा था पर इसके साथ ही वह सीएलएल कैंसर से भी पीड़ित थे। यह एक प्रकार का कैंसर है जो सफेद रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है। होगन ने अपनी बीमारी की बात को इसलिए छुपाया था जिससे कि वह तरह फिट दिखें। एक रिपोर्ट के अनुसार इसी साल मई में हुई गर्दन की सर्जरी के बाद उनकी हालत और भी ज्यादा खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें दिल की समस्या हुई और उनकी मौत हो गयी। होगन की कैंसर की बीमारी का पता चलने पर उनके प्रशंसक हैरान हैं।

संन्यास के बाद भी करोड़ों कमा रहे यूसुफ पठान

वडोदरा । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कम रहे हैं। यूसुफ पठान की नेट वर्थ तकरीबन 200 करोड़ रुपए के आसपास है। पठन बीसीसीआई की पेंशन और लीग क्रिकेट के ही निवेश से भी सालाना करीब 18 करोड़ रुपए कमाते हैं। यूसुफ पठान जून 2024 से पश्चिम बंगाल के बहरामपुर लोकसभा सीट से सांसद भी हैं। उनका वडोदरा में एक आलीशान घर है, जिसकी कीमत लगभग 6 करोड़ के आसपास है। 2008 में उन्होंने अपने भाई इरफान पठान के साथ इस घर को खरीदा था। इसके अलावा उन्होंने कई रियल एस्टेट कंपनियों में भी निवेश किया है। उन्हें लग्जरी कार का भी बहुत शौक हैं। उनके पास फोर्ड एंडेवर, बीएमडब्ल्यू एक्स5 जैसी लक्जरी कार शामिल हैं। पठान ने अपने करियर के दौरान भारतीय टीम की ओर से 57 एकदिवसीय मैचों में 810 रन और 33 विकेट लिए हैं। इसके अलावा 22 टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 236 रन और 13 विकेट हैं। आईपीएल में भी उन्होंने 174 मैच खेलकर 3204 रन और 42 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड में पूर्व क्रिकेटरों की लीग में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया था।

पीकेएल का 12 वां सत्र 29 से होगा शुरू

नई दिल्ली । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का 12 वां सत्र 29 अगस्त से शुरू होगा और 23 अक्टूबर तक खेला जाएगा। पीकेएल-12 के सभी मुकाबले विशाखापट्टनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली जैसे 4 शहरों में खेले जाएंगे। इन शहरों में कुल 108 लीग स्तर के मैचों का आयोजन किया जाएगा। टूनार्मेंट का शुरूआती मुकाबला राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटंस, तमिल थलाइवास और बेंगलुरु बुल्स बनाम पुनेरी पलटन के बीच खेला जाएगा। पीकेएल-12 के कार्यक्रम की घोषणा मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और पीकेएल लीग के कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने की। इस सत्र में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले चार शहरों विशाखापट्टनम जयपुर चेन्नई और दिल्ली में खेले जाएंगे।

साई किशोर ने सरे के लिए झटके पांच विकेट

▸ चहल और तिलक वर्मा भी चमके

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिनर आर. साई किशोर ने काउंटी चैम्पियनशिप 2025 के मुकाबले में सरे की ओर से खेलते हुए डरहम के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके। यह मुकाबला रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जा रहा है। साई किशोर ने मैच के दूसरे दिन दो विकेट चटकाए थे, जिसके बाद तीसरे दिन कोडी यूसुफ, बास डी लीडे और मैथ्यू पॉट्स को आउट कर उन्होंने पांच विकेट (5/72) पूरे किए। उन्होंने मैच में कुल सात विकेट लिए और अब तक दो मैचों में 11 विकेट 24 की औसत से झटके हैं। उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर सरे ने डरहम को 344 रनों पर ऑलआउट कर दिया, जिससे जीत के लिए उन्हें केवल 176 रनों का लक्ष्य मिला। डिवीजन टू में खेलते हुए, युजवेंद्र चहल ने नॉर्थहैम्पटनशायर की ओर से डबीशायर के खिलाफ चौथे दिन दो विकेट झटके। उन्होंने पहली पारी में छह विकेट लिए थे और अब मैच में उनके आठ विकेट हो गए हैं। यदि वह अंतिम दिन दो और विकेट लेते हैं तो उनके नाम मैच में 10 विकेट हो जाएंगे। दिलचस्प बात यह रही कि चहल ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट लेकर हैट्रिक की स्थिति बना दी थी, लेकिन वेन मैडसेन ने तीसरी गेंद को संभाल लिया। वहीं, हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक वर्मा ने वोर्सेस्टरशायर के खिलाफ 62 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक हैम्पशायर ने 139/2 का स्कोर बना लिया था और उनकी लीड 183 रन हो गई है।

यशस्वी आत्मविश्वास की कमी से रन नहीं बना पा रहे : गावस्कर

एजेंसी

ओवल । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आत्मविश्वास की कमी के कारण रन नहीं बना पा रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट मैच में यशस्वी केवल दो रन ही बना पाये। चौथे टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक लगाने के बाद वह दूसरी पारी में असफल रहे। दूसरे टेस्ट में उन्होंने 87 रन बनाये थे पर इसके बाद से ही वह रन नहीं बना पा रहे। अंतिम टेस्ट की पहली पारी में वह गस एटकिंसन का शिकार बने थे। गावस्कर ने कहा, जायसवाल के खेल में थोड़ी अनिश्चितता और तकनीकी कमी नजर आती है जिससे उसका आत्मविश्वास कम हुआ है। पहले टेस्ट में शतक लगाने के बाद से ही वह सहज नहीं दिखे हैं। इसी कारण वह अपना अगला पैर ज्यादा आगे नहीं बढ़ा पा रहे हैं हालांकि वह एक अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि अगर कोई उनके साथ बैठकर कुछ तकनीकी पहलुओं पर काम किया जाये,जैसे कि उनका अगला पैर आगे रखना और कंधे को ज्यादा न खोलना, तो इससे उन्हें काफी लाभ हो सकता है। अभी, उनका पिछला कंधा पहली या दूसरी स्लिप की तरफ जा रहा है, जिससे बल्ले का सीधा नीचे आना कठिन हो जाता है। वहीं अगर उनका कंधा विकेटकीपर और पहली स्लिप की तरफ ज्यादा रहता, तो बल्ला ज्यादा सीधा नीचे आता।

टोटनहैम ने एशिया टूर के दौरान आर्सेनल को हराया

▸ पापे मातर सार ने एक शानदार लॉन्ग-रेंज लॉब शॉट के जरिए टोटनहैम को 1-0 की बढ़त दिला दी

एजेंसी

हांगकांग। हांगकांग के काई टैक स्पोर्ट्स पार्क में गुरुवार को खेले गए एक दोस्ताना मुकाबले में टोटनहैम हॉटस्पर ने आर्सेनल को 1-0 से मात दी। मैच में आर्सेनल ने मार्टिन ओडेगार्ड, बुकायो साका, काई हैवर्ट्ज. और डेक्लन राइस जैसे स्टार खिलाड़ियों को मैदान में उतारा, वहीं टोटनहैम की ओर से क्रिस्टियन रोमेरो, मिकी वैन डी वेन और मोहम्मद कुदुस जैसे प्रमुख खिलाड़ी खेले। मैच की शुरूआत में आर्सेनल ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन टोटनहैम ने धीरे-धीरे लय पकड़ते हुए जवाबी हमले किए। 28वें मिनट में विल्सन ओडोबर्ट बॉक्स में घुसे और उनका शॉट पोस्ट से टकरा गया। हाफ टाइम से ठीक पहले, पापे मातर सार ने एक शानदार लॉन्ग-रेंज लॉब शॉट के जरिए टोटनहैम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में आर्सेनल ने हमलों की रफ्तार बढ़ा दी और कई खतरनाक मौके बनाए। 60वें मिनट के बाद दोनों टीमों ने कई बदलाव किए। 77वें मिनट में टोटनहैम की ओर से सॉन ह्युंग-मिन और आर्सेनल की ओर से विक्टर ग्योकेरेस मैदान पर आए। दोनों टीमों के जोरदार प्रयासों के बावजूद स्कोर में कोई बदलाव नहीं हुआ और टोटनहैम ने मुकाबला 1-0 से अपने नाम किया।

मुझे धोखेबाज कहा गया : चहल

एजेंसी

मुम्बई । क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने कहा है कि पिछला कुछ समय उनके लिए बेहद खराब रहा है और इस दौरान वह अवसाद का शिकार भी हो गये थे। यहां तक कि उन्हें खुदकुशी का भी मना करता था। चहल ने कहा कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उन्हें धोखेबाज तक कहा गया जबकि ऐसे लोगों को वास्तविक कारणों का पता ही नहीं था। तलाक के बाद आरजे महवश के साथ उनका नाम जोड़कर भी लोगों ने काफी आलोचना की। इसी को लेकर चहल ने कहा, तलाक के बाद मुझे धोखेबाज कहा गया जबकि मैंने जिंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया है। मैं बेहद वफादार इंसान हूं, मुझे अपने लोगों का पूरा ध्यान है। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे सबसे ज्यादा दुख इस बात से होता है कि लोग परी बात जाने बिना ही अपनी मन से कहानी बना देते हैं। मुझे यही बात परेशान करती है कि आप लोगों को पता भी नहीं है कि क्या हुआ है और फिर भी आप मुझे दोष दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं किसी के साथ देखा गया हूं केवल इसलिए कोई भी रिश्ता बना दिया जाये ये सही नहीं है। जब भी कोई इस प्रकार की बातें लिखता है तो दस और लोग आकर आपको ट्रोल करते हैं। उन्हें हर समय मसाला मिलना चाहिए। मैं अपनी सच्चाई जानता हूं और मेरे करीबी के लोग भी मेरे बारे में सब कुछ जानते हैं, इसलिए मुझे कोई परेशानी नहीं है। मैं चार-पांच महीने तक अवसाद में रहा। मेरे मन में तब अजीब ख्याल आते थे क्योंकि मेरा दिमाग पूरी तरह से बंद हो गय था।

कराटे प्रशिक्षण शिविर आयोजित

एजेंसी

रांची । शुक्रवार को शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में कुमार गर्ल्स हॉस्टल के बगल में,डांगरा टोली,राँची स्थित कराटे सेंटर में विशेष कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उस क्लब के कारटेकरों को शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवम् मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हँसी मानस सिन्हा द्वारा सेल्फ डिफेंस एवम् बेसिक का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही साथ बेल्ट ग्रेडेशन में उत्तीर्ण होने वाले कराटेकार को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर कराटे प्रशिक्षण के सेल्फ डिफेंस में शिहान संजय मिश्रा ने सहयोग किए।

भविष्य का सुपरस्टार है बेथेल : अश्विन

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर उभरेंगे। बेथेल को लेकर अश्विन ने कहा कि पांचवें टेस्ट से क्रिकेट जगह को एक नया सितारा मिलेगा। साथ ही कहा कि वह एक एक अलग तरह की प्रतिभा है। अश्विन ने इस खिलाड़ी की बल्लेबाजी और बाएं हाथ की गेंदबाजी दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बेथेल गेंदबाजी के साथ अच्छी बल्लेबाजी भी करता है। इंग्लैंड की टीम अभी इस सीरीज में 2-1 की बढ़त पर है। उसे कप्तान बेन स्टोक्स की जगह शामिल किया गया है। ऐसे में उसपर जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। अब वह कप्तान की जगह पर उतरते हुए अपने को साबित करना चाहेगा।

क्रिकेटर कनिष्क चौहान को किया गया सम्मनित

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जैसे छोटे से शहर से उठकर अपनी प्रतिभा और एकाग्रता के माध्यम से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की अंडर-19 टीम में अपने बेहतर प्रदर्शन के चलते बेस्ट ऑलराउंडर ऑफ द सीरिज रहे कनिष्क चौहान का शुक्रवार को सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले अभिनंदन किया गया। भारत के इस युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर कनिष्क चौहान का सिरसा लौटने पर सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से शाह सतनाम क्रिकेट स्टेडियम में भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिलेभर से सैकड़ों युवा क्रिकेटर्स ने अपनी प्रेरणा बने कनिष्क चौहान की झलक पाकर गौरव अनुभव किया। कनिष्क चौहान का अभिनंदन फूलों की बरसात से हुआ, जिसके लिए इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने सभी खिलाडि?ों, अपने प्रशिक्षकों व विशेष रूप से जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल का आभार जताया।

सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बेनीवाल ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि बहुत आरंभ में ही उन्होंने अपने सहयोगी प्रशिक्षकों जसकरण सिंह व विजय के साथ इस युवा खिलाड़ी के हुनर पर बारीकी से नजर बनाए रखी और उसे आगे निकलने में वो हरसंभव मौका दिया जो किसी भी खिलाड़ी के लिए अपेक्षित होता है। डॉ. वेद बेनीवाल ने कहा कि इस होनहार खिलाड़ी ने अपनी प्रतिभा, लग्न और एकाग्रता से ही देशभर के हजारों युवा खिलाडियों में अपने लिए इंग्लैंड गई भारत के अंडर-19 स्कवैड में अपना स्थान बनाया। डॉ. वेद बेनीवाल ने बताया कि कनिष्क चौहान ने इंग्लेंड में भारत की अंडर-19 क्रिकेट में 5 एक दिवसीय मैचों में 8 विकेट चटकाते हुए 114 रनों का भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर कनिष्क चौहान को पूरी सीरिज में बेस्ट ऑल राउंडर ऑफ द सीरिज का पुरस्कार दिया गया, जो न केवल सिरसा बल्कि पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। क्रिकेटर कनिष्क चौहान ने अपनी कामयाबी के पीछे हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिरुद्ध चौधरी, डॉ. वेद बेनीवाल, अपने दोनों प्रशिक्षकों जसकरण सिंह, विजय कुमार, मुख्य प्रबंधन में शरीक रहे चरणजीत सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उपरोक्त सभी ने उसे केवल लक्ष्य पर एकाग्र होकर कड़ी मेहनत करने का जो गुण दिया था, उसी का परिणाम है कि वे इंग्लेंड में भारत के लिए बेहतर कर पाए।

अगले साल भी रेड बुल के साथ बने रहेंगे : वेरस्टापेन

एजेंसी

बुडापेस्ट। चार बार के फॉमूर्ला वन वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन ने अगले सीजन में मर्सिडीज में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। वेरस्टापेन ने गुरुवार को हंगेरियन ग्रां प्री से पहले स्पष्ट किया कि वह आगामी वर्ष में भी रेड बुल टीम के साथ ही रेसिंग जारी रखेंगे। उन्होंने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है अब अफवाहों को विराम देने का समय आ गया है। मेरे लिए यह हमेशा स्पष्ट था कि मैं यहीं रहूंगा। टीम में हम लगातार कार के प्रदर्शन को लेकर चर्चा करते रहे हैं। जब आप टीम छोड़ने वाले होते हैं, तो ऐसी बातचीत बंद हो जाती है। लेकिन मैंने ऐसा कभी नहीं किया। गौरतलब है कि अगले साल से फॉमूर्ला वन में इंजन नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मर्सिडीज के इस नए युग में अग्रणी रहने की संभावना जताई जा रही है, वहीं रेड बुल अपनी नई पावर यूनिट पर काम कर रही है, जो अब होंडा से अलग हो चुकी है। हालांकि वेरस्टापेन के अनुबंध में ब्रेक क्लॉज शामिल हैं, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया गया है। इस सीजन में 13 रेसों में दो जीत के साथ वह मिड-सीजन में तीसरे स्थान पर हैं। उनका रेड बुल के साथ अनुबंध 2028 तक है। रेड बुल टीम बॉस क्रिश्चियन हॉर्नर की हालिया बर्खास्तगी को भी वेरस्टापेन को टीम में बनाए रखने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। वेरस्टापेन ने कहा, कुछ लोग सिर्फ नाटक करना पसंद करते हैं, लेकिन मेरे लिए यह हमेशा से साफ था। वहीं, मर्सिडीज के बॉस टोतो वोल्फ ने हाल ही में संकेत दिया था कि उनकी प्राथमिकता वर्तमान ड्राइवर लाइनअप झ्र जॉर्ज रसेल और इटालियन ड्राइवर किमी एंटोनेली झ्र को बनाए रखने की है।

नए लुक में नजर आये महेन्द्र सिंह धोनी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी हेयर स्टाइल के कारण हमेशा ही सबके आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। वह अपनी हेयर स्टाइल में लगातार बदलाव करते रहते हैं। शुरूआत में वह लंबे बालों के लिए जाने जाते थे। वहीं इसके बाद उन्होंने बालों को छोटा कर दिया। वहीं अब वह एक नये हेयरकट के साथ ही नये लुक में नजर आ रहे हैं। इसमें 44 साल की उम्र के बाद भी वह युवा और स्टाइलिश दिख रहे हैं। नई तस्वीरों में स्पाइक हेयर में धोनी ने लाइट बीयर्ड लुक ट्राई किया है। इस दौरान वह काले रंग की टी शर्ट और आंखों में चश्मा लगाए थे। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। कई लोगों ने इससे लाइक किया है। धोनी की पत्नी साक्षी धोनी ने भी इस पर कमेंट करते हुए लिखा कि आप बहुत यंग लग रहे हैं। तो एक अन्य यूजर ने लिखा कि धोनी सुपरस्टार हैं। धोनी अपनी हेयर स्टाइल से कभी भी समझौता नहीं करते, चाहे आईपीएल का कोई नया सत्र हो या कोई और इवेंट हो, धोनी हर बार एक नई हेयर स्टाइल में नजर आते हैं। अपने करियर की शुरूआती दौर में उन्होंने लंबे बाल रखे थे। इसके बाद उन्होंने अपने बालों को गोल्डन कलर करवाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद धोनी ने अपने बाल दान किए थे और वह गंजे हो गए थे। कभी धोनी छोटे तो कभी लंबे बालों में नजर आये। उनका हर एक लुक प्रशंसकों को खूब पसंद आता है। धोनी आईपीएल 2025 खेलने के बाद से आजकल अपने परिवसर के साथ समय बिता रहे हैं।

महिला ओपन गोल्फ : वोड की धीमी शुरूआत

▸ ओकायामा और ताकेडा पहले दिन संयुक्त बढ़त पर

एजेंसी

पोर्थकोल। महिला ओपन गोल्फ 2025 के पहले दिन गुरुवार को इंग्लैंड की लोटी वोड उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं, जबकि जापान की एरी ओकायामा और रियो ताकेडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से बढ़त हासिल की।

21 वर्षीय वोड ने हाल ही में स्कॉटिश ओपन जीतकर प्रोफेशनल करियर की शानदार शुरूआत की थी और इसी कारण उन्हें साल के अंतिम मेजर टूनार्मेंट में फेवरेट माना जा रहा था। लेकिन दक्षिण वेल्स के तटीय मैदान पर उन्हें संघर्ष करना पड़ा और वे आखिरी होल में बर्डी लगाकर सिर्फ लेवल पार (72) का स्कोर ही बना सकीं।

जापानी गोल्फरों ने पहले दिन दबदबा कायम रखा। एरी ओकायामा ने 5-अंडर 67 का स्कोर बनाया और बाद में रियो ताकेडा ने 18वें होल में बर्डी कर उनके साथ संयुक्त बढ़त बना ली। मियु यामाशिता 4-अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि चेम्पियनशिप विजेता माओ साइगो, शिहो कुअकी और चिसातो इवाई 3-अंडर के स्कोर पर हैं। गत विजेता लीडिया को (न्यूजीलैंड) और वर्ल्ड नंबर-1 नेली कोरडा (अमेरिका) भी इस मौके का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। को ने एक ओवर में और कोरडा ने दो अंडर में दिन का खेल समाप्त किया। ओकायामा ने पहले होल में बोगी की लेकिन अगले आठ में से पांच होल में बर्डी कर लय पकड़ ली और 17वें होल में एक और बर्डी लगाकर बढ़त हासिल की। ताकेडा ने नौवें होल में डबल बोगी के बावजूद बैक नाइन में चार बर्डी लगाकर वापसी की। दर्शकों का सबसे ज्यादा ध्यान दोपहर बाद उस समय गया जब वोड, को और अमेरिका की लीलिया वू के साथ ग्रुप में मैदान में उतरीं। भले ही यह वोड का पहला मेजर टूनार्मेंट था, लेकिन आयरिश ओपन में जीत और एवियन चैंपियनशिप में सिर्फ एक स्ट्रोक से चूकने के बाद वे जब वेल्स पहुंचीं तो उनसे बड़ी उम्मीदें थीं।

वोड ने पहले होल में ही बर्डी से शुरूआत की, लेकिन तीसरे और पांचवें होल में बोगी कर दी। छठे होल में लंबी पुट के जरिए बर्डी जरूर लगाई, लेकिन फिर वे लय में नहीं आ सकीं। नौवें होल में मुश्किल से पार बचाया, जबकि 11वें में बोगी कर बैठीं। हालांकि 14वें होल में शानदार एप्रोच शॉट के बाद बर्डी कर उन्होंने वापसी की कोशिश की, लेकिन 15वें होल में फिर एक शॉट गंवाया। आखिरी होल में बर्डी लगाकर उन्होंने दिन का अंत सकारात्मक रूप से किया।

मांट्रियल में अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ रिटर्न शॉट लगाती हुई।

फैशन को लेकर बेफिक्र रणदीप बोले, कपड़े नहीं, अंदाज मायने रखता है

बॉलीवुड एक्टर-फिल्ममेकर रणदीप हुड्डा ने कहा कि वह फैशन के बारे में ज्यादा नहीं सोचते और अक्सर जो कपड़ा सबसे पहले दिखता है वही पहन लेते हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में रणदीप से पूछा गया, वह अपने फैशन फिलॉसफी को कैसे बयां करते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए रणदीप ने कहा, मेरे लिए ये सब मायने नहीं रखता और मैं इन सबके बारे में ज्यादा सोचता भी नहीं हूं। मुझे अलमारी में जो पहले दिख जाता है, मैं उसे पहन लेता हूं। 48 साल के इस अभिनेता का मानना है कि स्टाइल कपड़ों में नहीं बल्कि नजरिए में होता है। उन्होंने कहा कि अगर आपके अंदर आत्म आत्मविश्वास है, तो आप कुछ भी आसानी से पहनो, अच्छा ही लगेगा।

उन्होंने कहा, शायद इसीलिए मेरा लुक थोड़ा रफ लगता है। मेरे ख्याल से कपड़े पहनने या चुनने में थोड़ी बेफिक्री होनी चाहिए, बहुत ज्यादा परफेक्ट या बनावटी नहीं होना चाहिए। सरबजीत फेम अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह सब आपके व्यवहार पर निर्भर करता है, न कि इस पर कि आपने क्या पहना है। अगर आपका व्यवहार सही है, तो आप कुछ भी पहनो, अच्छा ही लगता है। रणदीप अपकमिंग अमेरिकी एक्शन एडवेंचर कॉमेडी फिल्म मैचबॉक्स में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी नाम के मशहूर टॉय ब्रांड पर आधारित है, और इसमें जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, रणदीप, दनाई गुरिरा, और कोरी स्टोल भी नजर आएंगे। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है। रणदीप हुडा के पास 'ऑपरेशन खुकरी' नामक एक युद्ध ड्रामा भी है। रणदीप ने मेजर जनरल राजपाल पुनिया और दामिनी पुनिया की किताब 'ऑपरेशन खुकरी- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द इंडियन आर्मीज ब्रेवेस्ट पीसकीपिंग मिशन अब्रॉड' के आधिकारिक फिल्म अधिकार हासिल कर लिए हैं। फिल्म 'ऑपरेशन खुकरी' 2000 की वास्तविक घटनाओं को पर्दे पर लाएगी, जब पश्चिम अफ्रीका के सिएरा लियोन में विद्रोही बलों ने 233 भारतीय सैनिकों को बंधक बना लिया था।

ट्रोलिंग पर सख्त कानून चाहती हैं वाणी

वेब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' से वाणी कपूर ओटीटी की दुनिया में कदम रख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने अपने किरदार की गहराइयों, मानसिक चुनौतियों, सोशल मीडिया ट्रोलिंग और उससे उबरने के सफर को साझा किया। साथ ही उन्होंने साइबर ट्रोलिंग के खिलाफ सख्त कानून बनाने की भी खुली अपील की।

जब सीरीज ऑफर हुई तो क्या लगा था कि ये रोल करियर के लिए अहम साबित हो सकता है?

सच कहु तो, मैं किसी प्रोजेक्ट को ये सोचकर साइन नहीं करती कि इसके बाद मुझे लाइन लग जाएंगी या बहुत सारे प्रोजेक्ट्स आ जाएंगे। मेरे लिए उस कहानी और किरदार से एक इमोशनल जुड़ाव होना जरूरी होता है। ऐसी कहानियां मुझे आकर्षित करती हैं जिनमें किरदार की भावनाएं थोड़ी उलझी होती हैं। यह भी कुछ ऐसा ही था। इसमें बहुत सारी परतें थीं, बहुत कुछ एक्सप्लोर करने को था, कहानी में भी और मेरे किरदार में भी। ये एक ऐसा फिक्शनल वर्ल्ड था जो बहुत ही खूबसूरती से रचा गया था। इसमें माइथोलॉजी भी है, ड्रामा भी है और बहुत गहराई भी। इसमें इंसानी जज्बातों को समझने की कोशिश की गई है। ये कोई आम क्राइम शो नहीं है, बल्कि हर चीज के पीछे एक वजह है। ऐसे सवाल हैं जो हम अपने मन में सोचते हैं। एक किस्म की मिस्ट्री जिसे सुलझाना भी जरूरी है।

इस तरह के डार्क और इंटेंस कॉन्सेप्ट से जब आप जुड़ती हैं, तो क्या उसका असर निजी जिंदगी पर भी पड़ता है?

बिल्कुल पड़ता है। खासकर क्योंकि मैंने अब तक फिल्में ही की थीं, और ये मेरी पहली सीरीज है। सीरीज का मीडियम अलग होता है- जैसे फिल्म एक स्प्रिंट होती है, वैसे सीरीज एक मैराथन की तरह चलती है। इसमें एक इमोशनल कंसिस्टेंसी बनाए रखना होता है, क्योंकि आठ एपिसोड शूट करने हैं। आपको पूरे समय उसी किरदार जैसा महसूस करना होता है। ये एक तरह का मानसिक और साइकोलॉजिकल टोल भी लेता है, क्योंकि कहानी बहुत इंटेंस है।

फिल्मों और वेब सीरीज के काम करने के तरीके में आपको क्या फर्क लगा?

फिल्मों में शूटिंग जल्दी पूरी हो जाती है। किरदार के साथ आपका रिश्ता कुछ हफ्तों का होता है। आप रोल में उतरते हैं, उसे निभाते हैं और फिर अगली फिल्म की तरफ बढ़ जाते हैं। लेकिन वेब सीरीज एक लंबा सफर होती है। इसमें किरदार के साथ महीनों बिताने होते हैं। उसकी सोच, उसका मूड, उसका हर उतार-चढ़ाव आपको लगातार निभाना पड़ता है। यही चीज इस मीडियम को और भी दिलचस्प बनाती है, क्योंकि आप एक ही किरदार में धीरे-धीरे गहराई से उतरते हैं, बतौर ऐक्टर ये बहुत कुछ सिखा जाता है।

करियर की शुरुआत में आपको भी ट्रोलिंग या निगेटिव कमेंट्स का सामना करना पड़ा? उस वक्त आप कैसे डील करती थीं?

हां, बिलकुल हुआ है। शुरू में इसका असर भी होता था, क्योंकि जो कुछ भी कहा जाता है, वो सीधा आपके दिल को लग जाता है। लेकिन धीरे-धीरे मैंने ये समझा कि हर बात को सीरियस लेना जरूरी नहीं होता। अब मैं पहचान पाती हूं कि कौन सी बात में सुधार की गुंजाइश है और कौन सी बस यूं ही बोली गई है। अगर कोई मेरे काम को लेकर कुछ कहता है, तो मैं उस पर ध्यान देती हूं। लेकिन जब कोई ऐसी बात बोले जो मेरे हाथ में नहीं हैं, तो अब मैं उसे दिल पर नहीं लेती। कभी-कभी लोग बहुत पर्सनल हो जाते हैं और यही सबसे ज्यादा तकलीफ देता है। आजकल सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। मुझे लगता है कि वहां कुछ नियम होने चाहिए। क्योंकि जो ट्रोलिंग और हेटफुल बातें कही जाती हैं, वो सिर्फ एक्टर्स को नहीं, बल्कि स्कूल-कॉलेज के बच्चों और आम लोगों को भी बहुत परेशान करती हैं। हमें इस बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और साथ ही ये भी देखना चाहिए कि कुछ सख्त कानून बनें, ताकि ऐसे लोगों को रोका जा सके जो जानबूझकर दूसरों को दुख पहुंचाते हैं। आगे चलकर हमें सोशल मीडिया को एक जिम्मेदार और सुरक्षित जगह बनाना होगा।

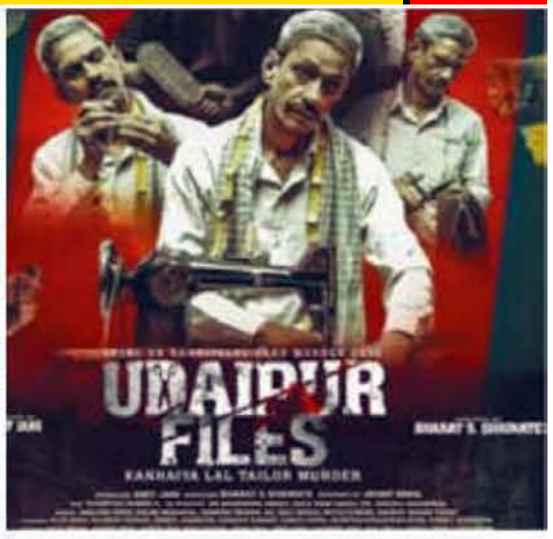

उदयपुर फाइल्स की रिलीज डेट पर लगी मुहर, कोर्ट ने हटाई रोक

काफी विवादों में रही विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स अब जल्द रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म में 6 बदलाव करने के आदेश दिए थे और अब इसकी रिलीज पर से रोक हटा ली गई है।

विजय राज की फिल्म उदयपुर फाइल्स रिलीज से पहले काफी विवादो में रही। राजस्थान में टेलर कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी इस फिल्म की रिलीज डेट फाइनली सामने आ गई है। ये फिल?म 11 जुलाई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन तमाम कॉन्ट्रोवर्सी की वजह से इस फिल्म की रिलीज टल गई थी।

8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स

विजय राज स्टारर इस फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर सांप्रदायिक सद्भावना को भड़काने और मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने की आशंका के बाद इसमें 6 अतिरिक्त बदलाव किए गए। ये अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म निर्माताओं ने दावा किया कि उन्हें सेंट्रल बोर्ड ऑफ सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से प्रमाणपत्र मिला है, जिसमें बोर्ड ने 55 सीन काटने का सुझाव दिया है। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी।

सुरवीन चावला ने एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए

सुरवीन चावला थ्रिलर सीरीज मंडला मर्डर्स में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार-चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी। इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी-कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती। मदद लीजिए। सबसे जरूरी है बात कीजिए। चाहे आपकी दुनिया छोटी हो या बड़ी, लेकिन बात जरूर कीजिए। ये ऐसा ही है जैसे कहना कि मुझे बुखार है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कम्युनिकेशन बहुत जरूरी है।

टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी हुमा की 'बयान'

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' अपनी रिलीज से पहले ही सुर्खियों में छा गई है। अब हुमा कुरैशी की फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होगा। 'बयान' को डिस्कवरी सेक्शन में चुना गया है। इस कैटेगरी में चुनी गई हुमा कुरैशी की 'बयान' इकलौती भारतीय फिल्म है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'बयान' का वर्ल्ड प्रीमियर सितंबर के महीने में होगा। हुमा कुरैशी स्टारर 'बयान' एक पुलिस थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन विकास रंजन मिश्रा ने किया है, जो इससे पहले 'चौरंगा' लिए जाने जाते हैं। हुमा कुरैशी इस फिल्म में एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के रूप में भी जुड़ी हुई हैं। हुमा कुरैशी के अलावा फिल्म में चंद्रचूड़ सिंह, सचिन खेडेकर, परितोष, अविजीत दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पेरी छाबड़ा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर निर्देशक विकास रंजन मिश्रा का कहना है कि 'बयान' एक समकालीन भारत की खूबसूरत झलक दिखाती है। जहां सत्ता और जेंडर जटिल और अक्सर अदृश्य तरीकों से एक-दूसरे से टकराते हैं ◼

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है। जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं प्यार का पंचनामा (2011) से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते। इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें। नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म छोटी 2 में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। नुसरत भरूचा एलएसडी और ड्रीम गर्ल जैसी फिल्मों मे नजर आ चुकी हैं।

तुषार ने शुरू किया फिल्म मस्ती 4 का शूटिंग शेड्यूल

बालीवुड की चर्चित कॉमेडी फेंचाइज मस्ती एक बार फिर दर्शकों को हंसाने आ रही है। साल 2004 में शुरू हुई इस सीरीज की चौथी किस्त मस्ती 4 की शूटिंग शुरू हो चुकी है। अब इसमें एक नया चेहरा जुड़ गया है। है। इस फिल्म में तुषार कपूर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म में रितेश देशमुख, आफताब शिवदासानी और विवेक ओबेरॉय की मूल तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। तुषार ने मीडिया से खास बातचीत में पुष्टि की कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा मैंने पहले भी तीनों कलाकारों के साथ अलग-अलग फिल्मों में काम किया है, इसलिए केमिस्ट्री को लेकर कोई चिंता नहीं थी। टीम ने बेहद गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया है और मुझे यकीन है कि हमारी ऑफ-स्क्रीन दोस्ती ऑन-स्क्रीन मस्ती में जरूर नजर आएगी।

एक नए सुरक्षित और निवेश के नये अवसर के रूप में उभर रहा है उत्तर प्रदेश

योगी सरकार की जीरो टालरेंस नीति ने बदल डाली प्रदेश की सूरत

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में न केवल 'कानून का राज' स्थापित किया बल्कि प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई उड़ान दी है। योगी सरकार ने वर्ष 2017 में प्रदेश की कमान संभालने के बाद प्रदेश की सूरत ही बदल डाली है। आज उत्तर प्रदेश पूरी तरह से भयमुक्त प्रदेश बन गया है। योगी सरकार ने कड़े निर्णय और मजबूत इच्छाशक्ति से उत्तर प्रदेश विकसित राज्य की अवधारणा को और मजबूती दे रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों का एनकाउंटर, अवैध संपत्ति की जब्ती, कोर्ट में प्रभावी पैरवी, अवैध धर्मांतरण और अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गयी। यही वजह है कि आज उत्तर प्रदेश की छवि एक नए, सुरक्षित और निवेश के नये अवसर के रूप में उभर रही है।

प्रदेश आज सबसे सुरक्षित प्रदेश बना

वर्ष 2017 से पहले अखिलेश सरकार में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी थी। उस दौरान सपा पोषित अपराधियों ने प्रदेश को जंगलराज की ओर धकेल दिया था। प्रदेशभर को दंगों की आग में झोंक दिया गया था। दिन दहाड़े व्यापारियों की हत्या कर दी जाती थी जबकि बहन बेटियों की अस्मिता से खिलवाड़ आम बात हो गयी थी। वर्ष 2017 से पहले दंगों, अपहरण, बलात्कार और लूटपाट की घटनाओं से अक्सर उत्तर प्रदेश सुर्खियों में रहता था। वर्ष 2013 के मुज़फ्फरनगर दंगों के बाद, प्रदेश में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई और इसने कानून व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास हिलाया। इसके अलावा अपहरण और रंगदारी के मामलों में भी अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई। महिलाओं के खिलाफ अपराध, विशेष रूप से बलात्कार के मामलों में भी वृद्धि हुई।

वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद कमजोर थी, जिससे राज्य में अपराधों की बाढ़ आ गई और लोगों में सरकार के प्रति निराशा और आक्रोश फैल गया। वर्ष-2017 के बाद प्रदेश की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीरो टॉलरेंस नीति को अपनाते हुए अपराध और अपराधियों की कमर तोड़ दी। वर्तमान में प्रदेश में कानून का राज स्थापित है। अपराधियों ने योगी सरकार के आगे घुटने टेक दिया और प्रदेश से पलायन कर गये।

एनकाउंटर में ढेर हुए 240 से अधिक दुर्दांत अपराधी

योगी सरकार ने जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड कार्रवाई करते हुए एनकाउंटर में 240 से अधिक दुर्दांत अपरधियों को मुठभेड़ में ढेर कर यमलोक पहुंचाया है। इस दौरान पुलिस ने कुल 15 हजार से अधिक मुठभेड़ की कार्रवाइयां की, जिनमें 30 हजार से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। एनकाउंटर की कार्रवाई में 9 हजार से अधिक अपराधी घायल हुए। वहीं अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हो गये जबकि 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए।

माफियाओं की अवैध संपत्तियों पर चला बुलडोजर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर माफियाओं और संगठित अपराध से जुड़े व्यक्तियों की अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर ध्वस्त किया गया। ऐसे मामलों में पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर बुलडोजर चलाया। इससे न केवल अपराधियों की कमर टूटी, बल्कि आम जनता में सरकार के प्रति विश्वास भी बढ़ा। पिछले आठ वर्षों में योगी सरकार की पुलिस ने पिछले आठ वर्षों में माफियाओं द्वारा अवैध रूप से अर्जित 142 अरब से अधिक लागत की चल/अचल संपत्तियों के जब्तीकरण और ध्वतीकरण की कार्रवाई की गयी। इस दौरान प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद की अवैध संपत्ति को जब्त करते हुए गरीबों के सपनों का आशियाना बनाया गया।

अवैध धर्मांतरण पर कड़ा प्रहार किया

योगी सरकार द्वारा अवैध धर्मांतरण के खिलाफ न केवल नई नीति बनाई बल्कि उसे सख्ती से लागू भी किया। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 के तहत सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया और संगठित रूप से धर्मांतरण कराने वाले गिरोहों को बेनकाब किया गया। यह कार्रवाई खासतौर पर गरीब और दलित तबके के लोगों को संरक्षण देने की दिशा में एक बड़ा कदम रहा। हाल के दिनों में प्रयागराज, बलरामपुर और आगरा आदि में अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गयी। योगी सरकार द्वारा अवैध धर्मांतरण का रैकेट चलाने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गयी। यह अवैध धर्मांतरण के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी कार्रवाई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले आठ वर्षों में यूपी पुलिस ने अपराधी या तो जेल में होगा या प्रदेश से बाहर के मंत्र को धरातल पर उतारा। इससे अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। यही वजह है कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

बेहतर कानून व्यवस्था से तेज़ हुआ निवेश और विकास

योगी सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई से सबसे बड़ा लाभ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिला। वर्तमान में भयमुक्त वातावरण में निवेशकों का विश्वास बढ़ा, जिससे उत्तर प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित होने वाले राज्यों में शामिल हुआ। डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर, फिल्म सिटी, औद्योगिक गलियारों जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स में निवेश लगातार आ रहा है। इन परियोजनाओं ने लाखों लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं हैं।

अपराधियों को मिली सजा

योगी सरकार द्वारा अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये लगातार कठोर सजा दिलायी जा रही है। योगी सरकार द्वारा ऑपरेश कन्विक्शन के तहत अब तक करीब 1 लाख अपराधियों को सजा दिलायी जा चुकी है। इसमें बलात्कार, हत्या, संगठित अपराध जैसे मामलों में करीब 10 हजार अपराधियों को आजीवन कारावास तथा 68 अपराधियों को मृत्युदंड तक की सजा दिलाई गई। योगी सरकार द्वारा कोर्ट में प्रभावी पैरवी के जरिये प्रतिदिन औसतन 143 मुकदमों का निस्तारण और 187 अपराधियों को सजा दिलायी जा रही है। इसी तरह नशे के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिए योगी सरकार ने बड़े पैमाने पर अभियान चलाए। प्रदेशभर में छापेमारी कर नकली शराब फैक्ट्रियों, ड्रग्स रैकेट्स और अंतरराज्यीय माफिया नेटवर्क्स को ध्वस्त किया गया। लाखों लीटर अवैध शराब नष्ट की गई और हजारों तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। प्रदेश में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन किया गया। वहीं, 2737 करोड़ से अधिक अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी की गयी। वहीं 30 हजार से अधिक मुकदमे दर्ज करते हुए अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ एक्शन लिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय वैश्य संगठन द्वारा गौतमबुद्ध नगर की पहली महिला जिलाधिकारी मेधा रूपम का सम्मान किया गया। इस दौरान व्यापार और वैश्य समाज के विकास पर चर्चा की गई। शिष्टमंडल में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय अग्रवाल के साथ पूरी टीम उपस्थित रही सतनारायण गोयल, जितेंद्र अग्रवाल, नवीन कुमार, अमित पोरवाल, सचिन गोयल, सौरभ अग्रवाल, नारायण गुप्ता, आशीष गुप्ता, मनीष गुप्ता(मीडिया प्रभारी), मुनीश गर्ग ,आरके गर्ग,निशांत गर्ग, सुरेंद्र अग्रवाल उपस्थित रहे।

12 अगस्त को प्राधिकरण पर प्रदर्शन की तैयारी तेज

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 12 अगस्त को विभिन्न मांगों को लेकर झुग्गीवासी नोएडा प्राधिकरण पर ऐतिहासिक प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए तैयारी तेज कर दी गई है।

नोएडा झुग्गी झोपड़ी सेवा उत्थान समिति संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष उदय सिंह ने बताया कि समिति के लोग सेक्टर-4, 5, 8, 9 एवं 10 में जाकर झुग्गी वासियों को इस प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नोएडा प्राधिकरण अभी भी हजारों झुग्गी वासियों को फ्लैट आवंटित नहीं कर पाया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शहाबुद्दीन ने बताया कि 200 झुग्गी वासियों को सेक्टर-122 में फ्लैट आवंटन की निरस्तीकरण का नोटिस भी चशपा कर दिया है जिससे झुग्गी वासियों में आक्रोश है। इन्हीं सबके खिलाफ 12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण पर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया जाएगा।

बीटा-1 सेक्टर में बनेगी ओपन ड्रेन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के बीटा-1 सेक्टर में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए सेक्टर में ओपनड्रेन का निर्माण किया जाएगा तथा सीवर ओवरफ्लो की समस्या को भी दूर किया जाएगा।

एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य व समाजसेवी हरेन्द्र भाटी ने बताया कि सेक्टरवासियों द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ लक्ष्मी वीएस को सेक्टर बीटा-1 व अन्य सेक्टरों में जल भराव की समस्या से अवगत कराया था।

एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण डीजीएम राजीव दीक्षित एवं सिविल मैनेजर कनुप्रिया श्रीवास्तव को मौके पर जाकर निरीक्षण करने के लिए कहा।

डीजीएम राजीव दीक्षित ने सेक्टर बीटा-1 के निरीक्षण में पाया कि ड्रेन पाइपलाइन बहुत पुरानी हो चुकी है, पाईपों में सिल्ट जमने के कारण पानी पूरे बहाव से नहीं जाता है, जिस कारण जल भराव हो जाता है। उन्होंने पाइप ड्रेन को हटाने और ओपन ड्रेन बनाने के लिए मैनेजर कनुप्रिया श्रीवास्तव को कहा। साथ ही 24 मीटर एवं 18 मी रोड पर पाइप ड्रेन हटाकर ओपन ड्रेन के इस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए।

मौके पर डीजीएम ने पाया कि सेक्टर बीटा वन में कई जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं जिससे तरह-तरह की बीमारियां पनप सकती हैं। उन्होंने सीवर डिपार्मेंट के अधिकारियों को फोन करके अवगत कराया कि सीवर ओवरफ्लो की सभी समस्याओं को तत्काल सही किया जाए।